• जयपुर, गुरुवार 27 अगस्त 26 • वर्ष 15 • अंक 297 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI. No. RAJHIN/2011/40950
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

सुविचार

"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"

• स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

कांग्रेस ने प्रदेश को बनाया था 'जीर्ण-शीर्ण', भाजपा सरकार ने रखी समृद्ध और सशक्त राजस्थान की नींव

सांगानेर में महिलाओं ने मुख्यमंत्री को बांधे रक्षासूत्र

हमारी सरकार ने बनाया विकास का रोडमैप, ढाई साल में हुए उल्लेखनीय कार्यः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को दी चुनौती, '2 साल बनाम 5 साल' पर दें जवाब

पिछली सरकार में भ्रष्टाचार और पेपरलीक से त्रस्त रही जनता, गैंगस्टर खुलेआम आतंक फैलाते रहे, कांग्रेस गर्दन झुकाए बैठी रही

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल में राजस्थान की जनता को भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। युवाओं का कांग्रेस सरकार से भरोसा उठ गया था तथा किसान और मजदूर वर्ग त्रस्त था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में गैंगस्टर खुलेआम आतंक फैलाते रहे और उनकी सरकार गैंगस्टरों के सामने गर्दन नीचे कर बैठी रही।

मुख्यमंत्री बुधवार को सांगानेर के मानसरोवर में आयोजित रक्षाबंधन पर्व कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश की स्थिति को ऐसे जीर्ण-शीर्ण मकान की तरह बना दिया था, जो चारों तरफ से टूटा-फूटा पड़ा था। कांग्रेस की देन इस बदहाली को बदलने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने प्रदेश के विकास का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया। पिछले ढ़ाई वर्षों में पानी, बिजली से लेकर रोजगार एवं किसान और महिला के सशक्तीकरण की दिशा में समृद्ध एवं सशक्त राजस्थान की मजबूत नींव रखी है।

» हमनें अपना रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखा, कांग्रेस मैदान छोड़ कर भागी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने विधानसभा में '2 साल बनाम 5 साल' का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए योजनाओं एवं कार्यों का तुलनात्मक विवरण रखा, लेकिन कांग्रेस के नेता विधानसभा में बहस करने की जगह मैदान छोड़कर भाग गए। हमारी सरकार ने ढ़ाई वर्षों में पिछली कांग्रेस सरकार की तुलना में कई गुना अधिक काम किए है और ये विकास के कार्य बढ़ते ही जा रहे है। हम अपना रिपोर्ट कार्ड लगातार जनता के सामने रख रहे है लेकिन कांग्रेस इस पर कोई जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि वह अपने पांच साल के कार्यकाल का लेखा-जोखा जनता के सामने रखे, फिर जनता तय कर लेगी कि किसने अधिक काम किया। उन्होंने कहा कि केवल हल्ला मचाने से कुछ नहीं होता, जनता के सामने आकलन काम के आधार पर ही होगा। कांग्रेस के नेता कहते थे कि राजस्थान में 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' तो कोई काकाजी भी नहीं करवा सकते। लेकिन हम राजस्थान में वन स्टेट, वन इलेक्शन करवा रहे है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की आवश्यकता को देखते हुए राज्य के सभी जिलों में जल उपलब्धता के लिए कार्य किया जा रहा है। इसी दिशा में राजस्थान की धरती पर आज दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की जल परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 1 लाख करोड़ रुपयें की रामजल सेतु लिंक परियोजना पर मिशन मोड पर लगातार काम चल रहा है। साथ ही, लगभग 34 हजार करोड़ रुपये के यमुना जल समझौते को भी धरातल पर उतरा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह नहरी क्षेत्र के लिए इंदिरा गांधी नहर और गंग नहर के सुदृढ़ीकरण, उदयपुर क्षेत्र के लिए देवास योजना, जवाई बांध में सोम-कमला-अंबा से पानी पहुंचाने एवं ब्राह्मणी नदी से बीसलपुर में पानी लाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। इसी तरह प्रदेश बिजली के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बन रहा है। हमारी सरकार ने वर्ष 2027 तक पूरे प्रदेश में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है तथा 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय में युवाओं को पेपरलीक का दंश झेलना पड़ा। हमारी सरकार ने पेपरलीक पर अंकुश लगाते हुए ढ़ाई वर्षों में रिकॉर्ड भर्तियां की। हमनें युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरियां देने का संकल्प लिया था। इसी दिशा में 1 लाख 89 हजार नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं तथा 1 लाख 22 हजार नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं। इसके अलावा 70 हजार नई भर्तियों की तैयारी है। हमारी सरकार किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और एमएसपी पर बोनस के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, समृद्धि और ज्ञान का स्वरूप मानते हुए सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। समृद्धि के लिए मां लक्ष्मी, शक्ति के लिए मां दुर्गा और ज्ञान-विवेक के लिए मां सरस्वती की आराधना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इसी सांस्कृतिक भावना को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना, घर-घर शौचालय और जल जीवन मिशन जैसी पहलों से महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण को नई दिशा दी है। वहीं, नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं के राजनीतिक नेतृत्व के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में लगभग 20 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश की जनता से किए हर वादे को पूरा कर रही है। पिछले ढ़ाई वर्षों में स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप हमने सांगानेर में भी उल्लेखनीय विकास कार्य करवाये है।

कार्यक्रम में महिलाओं ने मुख्यमंत्री को रक्षासूत्र बांधे। मुख्यमंत्री ने माताओं-बहनों को रक्षाबंधन पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के स्नेह का पर्व होने के साथ ही समाज में बहनों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण के संकल्प को मजबूत करने का अवसर भी है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व विधायक शंकर सिंह राजपुरोहित, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रसन्न मेहता सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

न्यूज़ अपडेट

प्रधानमंत्री ने मिलाद-उन-नबी पर देशवासियों को दी बधाई

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिलाद-उन-नबी के अवसर पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पवित्र अवसर समाज में एकता की भावना को और मजबूत करेगा तथा सभी के जीवन में खुशियां लेकर आएगा।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर संदेश साझा करते हुए कहा, ₹ईद मुबारक! मिलाद-उन-नबी पर बधाई।₹ उन्होंने कामना की कि यह अवसर लोगों के बीच आपसी भाईचारे और एकता की भावना को मजबूत करे तथा हर ओर खुशी और सौहार्द का वातावरण बने।

प्रधानमंत्री ने ओणम पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओणम के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि ओणम एक जीवंत और उल्लासपूर्ण त्योहार है, जिसे भारत के साथ-साथ दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भी उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, ओणम की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह एक जीवंत त्योहार है जिसे पूरी दुनिया में बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कामना की कि ओणम का यह पावन अवसर समाज में खुशी, एकजुटता और समृद्धि की भावना को और मजबूत करे।

नेपाल में भीषण बाढ़: 95 लोगों की मौत, 105 भारतीयों समेत 500 से ज्यादा पर्यटक लापता

● कई गांव, सड़कें और पुल बह गए ● हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट को हुआ नुकसान

मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में भोटे कोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचा दी है। बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 95 हो गई है, जबकि करीब 500 लोगों के लापता होने की खबर है। लापता लोगों में 105 भारतीय और 37 भारतवंशी भी शामिल बताए जा रहे हैं। कई जिलों में शव बरामद किए गए हैं और प्रभावित क्षेत्रों में तलाशी एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। अधिकारियों ने मृतकों, लापता लोगों और नुकसान के आंकड़ों का सत्यापन शुरू कर दिया है। राहत एवं बचाव अभियान के बीच मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

बाढ़ से नेपाल के उत्तरी जिलों में भारी नुकसान हुआ है। घर, सड़कें, पुल, वाहन, जलविद्युत परियोजनाएं और अन्य बुनियादी ढांचा बाढ़ की चपेट में आए हैं। करीब एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है। नेपाल की सुरक्षा एजेंसियां, आपदा प्रबंधन विभाग, स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य सेवाओं की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और घायलों को आपात चिकित्सा सहायता देने का काम भी जारी है।

नदियों के जलस्तर पर नजर, आगे भी बाढ़ का खतरा

नेपाल सरकार ने नदियों के जलस्तर और निचले इलाकों में आगे बाढ़ के खतरे को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी है। नेपाल दूतावास के अनुसार, आपदा में हुई क्षति और हताहतों की वास्तविक संख्या अभी सत्यापित की जा रही है। सरकार आपदा के कारणों का भी आकलन कर रही है।

नेपाल सरकार ने मित्र देशों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों की ओर से जताई गई संवेदनाओं तथा मदद की पेशकश के लिए आभार जताया है। विदेशी सहायता की जरूरत और उसके इस्तेमाल का फैसला नेपाल सरकार काठमांडू में करेगी। भारत में नेपाल का दूतावास दोनों देशों की सरकारों के बीच आवश्यक समन्वय के लिए संपर्क में है।

बाढ़ के कारण कई इलाकों में स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। राहत एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती लापता लोगों की तलाश, प्रभावित आबादी को सुरक्षित निकालना और बाढ़ से क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के बीच राहत पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री ने बालेन्द्र शाह से की बात, जनहानि पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से फोन पर बात की और नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस मुश्किल समय में नेपाल के लोगों के साथ भारत की एकजुटता व्यक्त करते हुए हर संभव मानवीय और राहत सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बात कर नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में भारत की जनता नेपाल के अपने भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि बचाव और राहत कार्यों के लिए भारतीय दल नेपाल के संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

भारत भेजेगा राहत सामग्री, बाढ़ प्रभावितों के लिए मदद की तैयारी

नेपाल में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से उत्पन्न हालात के बीच भारत सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए जल्द से जल्द राहत सामग्री भेजने की तैयारी कर रही है। इस बीच नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किए हैं। भारतीय नागरिक +977 985 131 6807 और +977 970 910 7500 पर संपर्क कर सकते हैं। नेपाल के तिब्बत सीमा के पास स्थित रसुवा जिले में बुधवार को भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तिब्बती क्षेत्र की ओर ग्लेशियर में अचानक पानी बढ़ने या हिमस्खलन को इस बाढ़ की संभावित वजह माना जा रहा है। बाढ़ से कई गांवों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा है। भारतीय दूतावास स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित भारतीयों के परिजनों की सहायता के लिए संपर्क व्यवस्था सक्रिय की गई है।

सुभाषितम्

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है। - चाणक्य

व्यापार युद्ध, भारत के लिए अवसर

अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ विवाद बढ़ने से वैश्विक व्यापार प्रणाली में मूलभूत बदलाव का संकेत मिलता है। अगस्त 2026 में अमेरिका ने लगभग 20 अरब डॉलर मूल्य के कनाडाई सामानों पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाया, जिसके जवाब में कनाडा ने अमेरिकी आयात पर 15 से 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि व्यापार अब केवल आर्थिक सहयोग का साधन नहीं रह गया है, बल्कि भू-राजनीतिक हितों को साधने और दबाव बनाने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में इसका उपयोग तेजी से किया जा रहा है। हालांकि प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित लोगों की संख्या कम हो सकती है लेकिन भारत जैसे देश के लिए जो वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है, इसके आर्थिक और रणनीतिक परिणाम बहुत गंभीर हो सकते हैं।

अमेरिका और कनाडा के बीच विवादों का लंबा इतिहास है, जिसमें बाजार पहुँच, घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के उपाय और नियामक बाधाओं से संबंधित शिकायतें शामिल हैं। अमेरिका ने डेयरी उत्पादों, ऑटोमोबाइल, शराब, फर्नीचर, सीमेंट और अन्य वस्तुओं पर टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की, जिसके जवाब में कनाडा ने अमेरिकी स्टील, कृषि उपकरण और उपभोक्ता उत्पादों पर टैरिफ लगाए। वर्तमान में, दोनों देशों के बीच व्यापार का मूल्य 880 अरब डॉलर से अधिक है, जिसका अर्थ है कि एक लंबा व्यापार युद्ध केवल इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं तक सीमित नहीं रहेगा। यह असहमति ऐसे समय में सामने आई है जब अन्य देश भी अमेरिकी व्यापार, विशेष रूप से अन्य अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ अधिक टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं लगा रहे हैं। इससे उत्तरी अमेरिका में आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता और नियमों पर आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली पर संदेह पैदा हो गया है।

भारत में बाहरी मांग में संभावित मंदी पहला झटका साबित हो सकती है। अमेरिका और कनाडा भारत के बड़े व्यापारिक साझेदार होने के साथ-साथ भारतीय दवाइयों, आईटी सेवाओं, वस्त्रों, इंजीनियरिंग उत्पादों और कई अन्य उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हैं। टैरिफ युद्ध, जो उत्तरी अमेरिकी अर्थव्यवस्थाओं के उपभोग और निवेश को बाधित करता है, भारतीय निर्यात को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में भारतीय कंपनियां उत्तरी अमेरिकी कंपनियों को घटक, मध्यवर्ती वस्तुएं और व्यावसायिक सेवाएं प्रदान करती हैं। आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, लागत में वृद्धि और अनिश्चितता के कारण इन कंपनियों को नए जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

मुद्रास्फीति भी एक खतरा है। जवाबी शुल्क के चलते इस्पात, एल्युमीनियम और कृषि उत्पादों जैसे आवश्यक उत्पादों पर वैश्विक स्तर पर असर पड़ सकता है। यदि इन मूल्य वृद्धि का प्रभाव भारत तक पहुंचता है तो इससे घरेलू उत्पादन लागत और मुद्रास्फीति पर दबाव पड़ सकता है। इससे आरबीआई के मौद्रिक नीति प्रबंधन में जटिलता आ सकती है। साथ ही, वैश्विक व्यापार नीति के नियमित हिस्से के रूप में बढ़ते संरक्षणवाद से भविष्य में भारत के निर्यात पर शुल्क, तकनीकी मानक और अन्य गैर-शुल्क बाधाएं भी बढ़ सकती हैं।

इस संकट से भारत के लिए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। व्यापार में बदलाव के चलते, उच्च शुल्क के कारण आयात महंगा हो गया है और आयातक वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश कर रहे हैं। इससे भारतीय कंपनियों को अमेरिका और कनाडा के बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। भारतीय वस्त्र उद्योग, चमड़ा उद्योग, आभूषण उद्योग, फर्नीचर उद्योग और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के लिए बेहतर संभावनाएं बन सकती हैं क्योंकि अमेरिकी बाजार में कनाडाई सामान महंगा होता जा रहा है। इसी तरह, यदि कनाडा अपने व्यापार के लिए नए स्रोत तलाश रहा है तो भारत के लिए मशीनरी और इंजीनियरिंग सामान, कृषि उपकरण, वस्त्र और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तार करने के अवसर हैं।

इससे भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन से लाभ उठाने का अवसर भी मिलता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अपनी मूल्य श्रृंखला को किसी एक देश या क्षेत्र में विस्तारित करने का चलन है। भारत अपने विशाल घरेलू बाजार, अपेक्षाकृत बड़ी श्रमशक्ति, बढ़ती विनिर्माण क्षमता और विकसित बुनियादी ढांचे के कारण इस परिवर्तन से लाभ उठा सकता है। हालांकि, कम लागत ही पर्याप्त नहीं होगी। विश्वसनीय आपूर्ति, उच्च गुणवत्ता, समय पर वितरण और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण एवं सुरक्षा मानकों का पालन भी महत्वपूर्ण होगा। इसलिए, भारत को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

खादी का वैश्विक पुनर्जागरण

मनोज गोयल

कुछ नेता सत्ता तक पहुंचते हैं, कुछ को इतिहास इसके लिए चुनता है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसे क्षण विरले आते हैं, जब किसी व्यक्ति का नेतृत्व केवल राजनीतिक घटना नहीं रह जाता बल्कि वह राष्ट्र के सामूहिक संकल्प और राष्ट्रीय परिवर्तन का माध्यम बन जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व ऐसे ही परिवर्तनकारी दौर का प्रतिनिधित्व करता है; एक ऐसा नेतृत्व जिसने भारत की आत्मा, आत्मविश्वास और वैश्विक पहचान को नई दिशा देने का प्रयास किया है।

नियति का नेतृत्व केवल सरकार चलाने का नाम नहीं होता; यह किसी राष्ट्र की सुप्त, अंतर्निहित और अप्रकट संभावनाओं को पहचान कर उन्हें जन-आंदोलन में बदलने की क्षमता है। मोदी के नेतृत्व की सबसे विशिष्ट विशेषताओं में से एक यह रही है कि उन्होंने भारत की परंपराओं को अतीत की स्मृतियों के रूप में नहीं बल्कि भविष्य की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक शक्ति के रूप में देखा है। इस विचार को मोदी ने वोकल फॉर लोकल के माध्यम से जन-आंदोलन का स्वरूप दिया। यह केवल स्थानीय उत्पाद खरीदने का आह्वान नहीं था बल्कि भारत के कारीगर, किसान, उद्यमी और निमार्ता के श्रम पर गर्व करने का आह्वान था। यदि इस परिवर्तन की सबसे सशक्त अभिव्यक्तियों में किसी एक का नाम लिया जाए तो वह है- खादी। बापू की विरासत- खादी।

15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पिछले 12 वर्षों में भारत की परिवर्तन यात्रा का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र की वृद्धि को लगभग पांच गुना बताते हुए इसे भारत की बढ़ती क्षमता और आत्मनिर्भरता के व्यापक परिवर्तन के साथ जोड़ा। यह उल्लेख सिर्फ एक आर्थिक उपलब्धि का उल्लेख नहीं था। इसके पीछे एक बड़ी सोच दिखाई देती है; जब राष्ट्र अपनी क्षमता पर विश्वास करता है, अपने श्रम का सम्मान करता है और अपने उत्पादों को अपनाता है तो वही विश्वास आर्थिक शक्ति में बदलता है। यही प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प का मूल भाव है।

कभी खादी स्वतंत्रता आंदोलन में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का प्रतीक थी। आज मोदी के नेतृत्व में वही खादी नवभारत की आकांक्षाओं, आत्मनिर्भरता, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, सतत विकास और स्थानीय से वैश्विक बनने की यात्रा की सशक्त पहचान बन रही है। खादी का यह पुनर्जागरण किसी एक योजना या किसी एक बाजार की सफलता की कहानी नहीं है। यह प्रधानमंत्री मोदी के अद्भुत, अविश्वसनीय, अकल्पनीय नेतृत्व की कहानी है जिसने एक लगभग भुला दी गई आर्थिक और सामाजिक शक्ति खादी और ग्रामोद्योग में फिर से विश्वास जगाया और उसे करोड़ों भारतीयों की भागीदारी से एक नए आंदोलन में बदल दिया।

प्रधानमंत्री मोदी के वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल और विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए अब आवश्यकता इस बात की है कि भारत की प्रत्येक स्थानीय विरासत को उसकी आर्थिक शक्ति में बदला जाए। इसी सोच के साथ मैं एक ज़िला, एक विरासत की अवधारणा प्रस्तुत करता हूं। केवल एक योजना नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय सोच का विस्तार है जिसमें भारत के प्रत्येक जिले की विशिष्ट कला, खादी, ग्रामोद्योग, पारंपरिक कौशल और स्थानीय उद्यमिता को उसकी आर्थिक पहचान बनाया जा सकता है। आधुनिक डिजाइन, डिजिटल तकनीक, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, ब्रांडिंग, ई-कॉमर्स और वैश्विक बाजार से जोड़कर स्थानीय विरासत को वैश्विक अवसर में बदला जा सकता है। हर जिले की पहचान, हर कारीगर का सम्मान और हर विरासत को वैश्विक बाजार। जब किसी जिले की विरासत विश्व के बाजार तक पहुंचती है, तब केवल किसी उत्पाद का निर्यात नहीं होता; उसके साथ भारत की संस्कृति, सृजनशीलता, श्रम और आत्मविश्वास भी दुनिया तक पहुंचता है। यही लोकल टू ग्लोबल का वास्तविक अर्थ है और यही विकसित भारत की नई आर्थिक शक्ति का आधार बन सकता है। इस परिवर्तन को स्थायी और भविष्य उन्मुख बनाने के लिए खादी क्षेत्र में संस्थागत एवं तकनीकी आधारभूत संरचना को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। देशभर में पूनी संयंत्रों के आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं, जिससे उत्पादन, गुणवत्ता, पारदर्शिता और विपणन व्यवस्था को नई गति मिल रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अनेक अवसरों पर खादी को स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के व्यापक विचार से जोड़ा है। मन की बात से लेकर राष्ट्रीय मंचों तक उन्होंने नागरिकों से खादी और स्थानीय उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने खादी को केवल पहनने की वस्तु के रूप में नहीं, बल्कि भारत के कारीगरों के श्रम और देश की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के साथ जोड़कर देखने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री की ब्रांड शक्ति से आज खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र का कारोबार 1.87 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक स्तर तक पहुँच चुका है और हमारा अगला लक्ष्य इसे 2.51 लाख करोड़ रुपये तक ले जाना है। यह क्षेत्र 2 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध करा रहा है। लगभग 12 वर्ष पहले चरखे पर सूत कातने पर प्रति हैंक मजदूरी जहां मात्र 4 रुपये हुआ करती थी, वहीं आज इसे बढ़ाकर 15 रुपये प्रति हैंक किया जा चुका है। यह परिवर्तन केवल आय में वृद्धि नहीं, बल्कि उस नेतृत्व की प्राथमिकता का परिणाम है जिसे नियति ने खादी के लिए तय किया है। जिसके केंद्र में अंतिम व्यक्ति और कारीगर है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वदेशी की यह नई सोच केवल बाजार तक सीमित नहीं है। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, महिला शक्ति को आर्थिक अवसर देने, युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने और पारंपरिक कौशल को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का व्यापक प्रयास है। यही कारण है कि आज खादी केवल चरखे तक सीमित नहीं है। यह आधुनिक फैशन, डिजाइन, डिजिटल कॉमर्स, नवाचार और वैश्विक बाजार की भाषा बोल रही है। परंपरा और प्रौद्योगिकी के बीच जो दूरी कभी दिखाई देती थी, वह धीरे-धीरे समाप्त हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान, खादी फॉर फैशन, ने खादी को नई पीढ़ी की आकांक्षाओं और आधुनिक जीवनशैली से जोड़ने का एक नया आयाम दिया है। नए भारत की नई खादीआज भारत के जेन-जी के बीच अपनी अलग पहचान बना रही है। जो पीढ़ी फैशन, डिजिटल संस्कृति, नवाचार और आत्म-अभिव्यक्ति को महत्व देती है, उसके लिए खादी अब केवल विरासत नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय पहचान, स्वदेशी गौरव और सतत जीवनशैली का नया प्रतीक बन रही है।

भारत के कारीगर केवल वस्तुएं नहीं बनाते; वे भारत की सभ्यता, संस्कृति और परंपराओं को अपने श्रम से जीवंत रखते हैं। उनके हाथों में केवल कौशल नहीं, बल्कि पीढ़ियों का अनुभव, धैर्य, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की शक्ति निहित है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वदेशी का पुनर्जागरण तभी पूर्ण होगा, जब इस शक्ति को सम्मान, बाजार और आधुनिक अवसरों से जोड़ा जाएगा।

खादी का हर धागा केवल कपास से नहीं बल्कि किसी कारीगर के परिश्रम, किसी परिवार की आशा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से बुना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी ने जिस पुनर्जागरण की यात्रा शुरू की है, उसका अगला चरण नई खादी है। नई खादी केवल नए रंग, नए वस्त्र या नए बाजार का नाम नहीं है।

रक्षाबंधन : देह से ऊपर संस्कार से युक्त भारतीय मर्यादा का उत्सव

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

रक्षा बंधन हजारों वर्षों का भारतीय संस्कार है। कृति सेनन के रक्षाबंधन विज्ञापन को लेकर उठे विवाद ने वस्त्र, स्त्री की स्वतंत्रता और विज्ञापन की रचनात्मकता से कहीं बड़ा प्रश्न हमारे सामने रखा है। प्रश्न यह है कि क्या किसी पवित्र सांस्कृतिक पर्व को बाजार की दृष्टि से प्रस्तुत करते समय उसकी मर्यादा, प्रतीक और धार्मिक भावभूमि का भी ध्यान रखा जाना चाहिए या नहीं? उत्तर है, निश्चित रूप से। क्योंकि परंपरा मनुष्य की स्वतंत्रता को संस्कारित करती है।

देह क्या है? कुछ अस्थियां, मांस, मज्जा और चमड़ी का पुंज। यही देह जब प्राण से जुड़ती है तो जीवित होती है और जब प्राण उससे निकल जाता है तो वही देह शव कहलाती है। अंतर दिखाई देने वाले शरीर और भीतर उपस्थित चेतना मय शरीर दोनों का यहां स्पष्ट देखा जा सकता है। इसी प्रकार सामान्य देह और संस्कारित देह में भी अंतर सामने दिखाई देने वाली आकृति का न होकर भीतर अर्जित संस्कारों का होता है।

भारतीय चिंतन ने मनुष्य को उसकी देह तक सीमित करके कभी नहीं देखा। यहां शरीर साधन है, साध्य को साधने का। देह के साथ मन है, मन के साथ बुद्धि है, चित्त है और इन सबके ऊपर संस्कारों से निर्मित वह चेतना है जो मनुष्य को मनुष्य बनाती है, इसीलिए भारतीय संस्कृति में आचरण का महत्व सबसे अधिक है। व्यक्ति क्या पहनता है, यह उसका व्यक्तिगत विषय हो सकता है, किंतु वह किस अवसर पर, किस संदर्भ में और किस भाव के साथ स्वयं को प्रस्तुत करता है, यह सामाजिक और सांस्कृतिक समझ है और यहीं से रक्षा बंधन का महत्व समझ में आता है।

माना कि राखी, रेशम, सूत या रंगीन धागे से बनी वस्तु है। मगर वह एक संबंध का संस्कार भी है। बहन, भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती है। उसके पीछे मंगलकामना है, स्नेह है, विश्वास है और एक-दूसरे के प्रति दायित्व का भाव बोध भी है। यह पर्व परिवार को स्मरण कराता है कि संबंध अधिकार जताने के साथ जिम्मेदारियां उठाने से जुड़ा हुआ है। तभी भारतीय परंपरा ने जीवन के सामान्य संबंधों को भी संस्कार में बदल दिया। माता-पिता वे पूज्य हुए। गुरु ज्ञान का माध्यम बने। विवाह संस्कार बना। इसी क्रम में भाई-बहन का संबंध भी रक्षा बंधन के माध्यम से एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अर्थ ग्रहण करता है, इसलिए रक्षा बंधन को आधुनिक फैशन, आभूषण या उपहार के बाजार की दृष्टि से देखना उसके अर्थ को छोटा करना है।

इसी संदर्भ में कृति सेनन का रक्षाबंधन विज्ञापन विवाद महत्वपूर्ण हो जाता है। विज्ञापन में अभिनेत्री ऑफ-व्हाइट ब्रालेट-स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट में दिखाई दीं। विज्ञापन का दृश्य रक्षाबंधन से जुड़ा था। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनके परिधान को लेकर प्रश्न उठे। विज्ञापन में पालतू कुत्ते को राखी बांधने वाले दृश्य पर भी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। विवाद बढ़ा तो कंगना रनौत ने भी विज्ञापन पर तीखी टिप्पणी की। बाद में जीवा ने विज्ञापन को सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से वापस ले लिया और कहा कि वह भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का सम्मान करती है।

यहां जो समझनेवाली बात है, वह यही है कि व्यक्ति अपने निजी जीवन में क्या पहनता है, यह उसकी स्वतंत्रता का विषय है, किंतु जब वही व्यक्ति किसी धार्मिक पर्व के विज्ञापन का हिस्सा बनता है, तब वह अकेला व्यक्ति नहीं रहता, वह उस दृश्य की सांस्कृतिक भाषा का हिस्सा बन जाता है। वहां वस्त्र, आभूषण, भाव-भंगिमा, संवाद, संगीत और दृश्य संयोजन मिलकर एक संदेश बनाते हैं, इसलिए प्रश्न अभिनेत्री के कपड़े भर का नहीं है। प्रश्न यह है कि रक्षा बंधन को दिखाने के लिए विज्ञापन ने कैसी सांस्कृतिक भाषा चुनी?

यही पर आकर लगता है कि भारत में कल्चरल मार्क्सिज्म अपने नए छद्म रूपों में भारत पर हावी होने के लिए षड्यंत्र कर रहा है। बेशक, बाजार की अपनी भाषा है। वह आकर्षण चाहता है, ध्यान चाहता है, चर्चा चाहता है और अंततः बिक्री चाहता है, किंतु धर्म और संस्कृति की भाषा अलग है। वह स्मृति, श्रद्धा, संबंध, संयम और दायित्व की भाषा है। जब बाजार किसी धार्मिक या सांस्कृतिक पर्व को अपने प्रचार का माध्यम बनाता है, तो उसे यह समझना चाहिए कि वह एक सांस्कृतिक प्रतीक को भी सार्वजनिक रूप दे रहा है।

परंपरा नदी की तरह है। वह आगे बढ़ती है, उसमें नए जल का प्रवेश होता है, उसके किनारे बदलते हैं, किंतु उसकी धारा बनी रहती है। यदि नदी का जल ही समाप्त कर दिया जाए तो फिर सिर्फ नाम बचता है। इसी प्रकार यदि उत्सव का सांस्कृतिक भाव समाप्त हो जाए और उसका बाजार बचा रहे, तब उत्सव का संस्कार ही समाप्त हो जाता है। रक्षा बंधन की मर्यादा उस भाव में है जिसमें भाई-बहन एक-दूसरे को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। पर इस मर्यादा का अर्थ यह भी है कि पर्व को प्रस्तुत करते समय उसके सांस्कृतिक संकेतों के प्रति संवेदनशीलता रखी जाए।

क्या पालतू पशु से प्रेम गलत है? बिल्कुल नहीं। भारतीय परंपरा तो जीवमात्र में ईश्वर का अंश देखने की बात करती है। पशुओं के प्रति करुणा भारतीय जीवन-दृष्टि का हिस्सा है। लेकिन किसी विशेष धार्मिक संस्कार के मूल प्रतीक और उसके विस्तार के बीच भी अंतर समझना होगा। हर अच्छी भावना को हर धार्मिक अनुष्ठान के साथ जोड़ देना आवश्यक नहीं है। प्रत्येक परंपरा की अपनी संरचना, प्रतीक और मयार्दा होती है। यही विवेक संस्कृति को संस्कृति बनाए रखता है, इसलिए कृति सेनन के विज्ञापन का विवाद किसी एक अभिनेत्री, किसी एक ब्रांड या किसी एक परिधान तक सीमित करके देखना उचित नहीं।

आज का सच यही है कि यह हमारे समय के सामने खड़ा बड़ा सांस्कृतिक प्रश्न है। क्या हम अपने त्योहारों को उनके मूल अर्थ के साथ आधुनिक जीवन में आगे बढ़ाएंगे? क्या बाजार हमारी परंपराओं से लाभ लेते हुए उनके प्रति उत्तरदायी भी रह सकता है? क्या स्वतंत्रता के साथ मर्यादा का संतुलन बनाया जा सकता है? भारतीय उत्तर स्पष्ट है-हां। सोचना अब उन तमाम कंपनियों को है, जो उत्सव में उसके मूल को न देख सिर्फ बाजार खोज रही हैं। हमें स्वतंत्रता चाहिए, किंतु स्वच्छंदता नहीं। आधुनिकता चाहिए, पर आत्मविस्मृति नहीं। सौंदर्य चाहिए, मगर संदर्भहीन प्रदर्शन नहीं। बाजार चाहिए, परन्तु संस्कृति की कीमत पर नहीं।

क्योंकि देह मनुष्य की पहली पहचान हो सकती है, अंतिम नहीं। अंतिम पहचान उसके संस्कारों से बनती है और रक्षा बंधन उसी संस्कार का पर्व है। वह कलाई पर बंधता जरूर है, पर संबंध हृदय से होता है। वह धागे में दिखाई देता है, मगर उसका अर्थ पीढ़ियों की स्मृति में छिपा होता है। यही कारण है कि भारतीय समाज अपने पर्वों से प्रेम करता है, उनसे स्वयं को पुनः पहचानता है। संस्कृति को आधुनिक बनाना अलग बात है और संस्कृति को बाजार की सुविधा के अनुसार बदल देना अलग। पहली प्रक्रिया जीवंत परंपरा है, दूसरी आत्मविस्मृति की शुरुआत हो सकती है, इसलिए इस पर्व की रक्षा किसी धागे से अधिक आवश्यक है उसके अर्थ की रक्षा। यही भारतीय धर्म की शक्ति है, यही उसकी मर्यादा है और यही उसकी निरंतरता का रहस्य भी है।

चीनी की कड़वाहट के बाद क्या अब प्याज निकालेगा आंसू?

-ओ.पी. पाल

भारत में प्याज जैसे खाद्य सामग्री का संकट, पिछले कुछ दशकों में राजनीतिक और आर्थिक इतिहास बदलने का गवाह बनते देखा गया है। इसका कारण भी स्पष्ट रहा है कि भारतीय रसोई की नींव अगर स्वाद, सेहत और सुगंध पर टिकी है, तो उसमें चीनी की मिठास और प्याज का तड़का दो सबसे मजबूत स्तंभ माने जाते हैं। लेकिन हाल के दिनों में खाद्यान्न और खाद्य पदार्थों के दामों में उतार-चढ़ाव ने आम उपभोक्ता के घरेलू बजट की गणित को पूरी तरह बिगाड़ कर रख दिया है। पहले तो खाद्य तेलों और चीनी की कीमतों में आई नरमी अचानक दामों में उछाल में बदल गई और अब बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतें आम आदमी की आंखों में आंसू लाने की शुरूआत कर दी है। सवाल यह उठता है कि क्या चीनी की कड़वाहट के बाद अब प्याज वाकई आमजन को रुलाने की तैयारी में है? हालांकि, स्थिति गंभीर होने से पहले ही केंद्र व राज्य सरकारों ने मोर्चा संभाल लिया है। जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कानूनी शिकंजा कसने के निर्देश दिए गए हैं।

दरअसल, चीनी की कड़वाहट के बाद प्याज की अचानक बढ़ती किमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने विशेष योजना तैयार की है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने (24 अगस्त को) जानकारी दी है कि महाराष्ट्र के नासिक से प्याज का सरकारी बफर स्टॉक कांदा एक्सप्रेस के जरिए देश के प्रमुख खपत केंद्रों तक भेजना शुरू किया है। प्रथम चरण में प्याज की खेप चेन्नई, मदुरै, दिल्ली, एनार्कुलम और गुवाहाटी भेजी जा रही है। नासिक के बफर स्टॉक से कांदा एक्सप्रेस के रेल रैक के जरिए पहुंचाई जा रही इस आपूर्ति को थोक और खुद दोनों बाजारों में उतारा जाएगा। राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) जैसी सरकारी एजेंसियों के माध्यम से खुदरा बाजार में 35 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर प्याज बेचा जाएगा। केंद्र सरकार के पास चालू वर्ष के लिए 1.21 लाख टन प्याज का सुरक्षित बफर स्टॉक उपलब्ध है, जो घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह पर्याप्त है। अधिकारियों का मानना है कि आने वाले महीनों में देश में प्याज की उपलब्धता संतोषजनक रहेगी। बफर स्टॉक की स्थापना नाफेड और एनसीसीएफ के जरिए आपात स्थिति और त्योहारों के दौरान कीमतों को स्थिर रखने के लिए ही की जाती है।

उपभोक्ता पर महंगाई की दोहरी मार

उपभोक्ताओं पर पड़ने वाली यह महंगाई केवल आंकड़ों का खेल नहीं है बल्कि इसका सीधा असर एक आम नागरिक की थाली और उसकी बचत पर पड़ता है। जब रसोई के चीनी, दालें, एडिबल ऑयल और प्याज जैसे मूल सामान महंगे होते हैं तो सबसे ज्यादा नुकसान निम्न और मध्यम वर्ग का होता है। एक सामान्य भारतीय परिवार के मासिक खर्च में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 40 फीसदी से 50 फीसदी तक होती है। जब प्याज और चीनी जैसी बुनियादी चीजें महंगी होती हैं तो शिक्षा, स्वास्थ्य और मनोरंजन जैसे अन्य अनिवार्य खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। वहीं, महंगाई के कारण लोग गुणवत्तापूर्ण खानपान से समझौता करने को मजबूर हो जाते हैं। सब्जियों और दालों के कम उपयोग से बच्चों और महिलाओं में पोषण संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

जमाखोरी व कालाबाजारी पर सख्त रवैया

सरकार ने बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने और जमाखोरी रोकने के लिए हमेशा ही एक बहुस्तरीय रणनीति अपनाती है, जिसमें जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार 'आवश्यक वस्तु अधिनियम' के तहत राज्यों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि वे थोक और खुदरा व्यापारियों के लिए स्टॉक लिमिट तय करें। वहीं, मंडियों में अवैध भंडारण करने वालों के खिलाफ छापेमारी और सख्त कानूनी कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। केंद्र सरकार नैफेड (भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ) और एनसीसीएफ के माध्यम से लाखों टन प्याज का 'बफर स्टॉक' बनाकर रखती है। जब खुदरा बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो रियायती दरों पर मोबाइल वैन और सरकारी आउटलेट्स के जरिए उपभोक्ताओं तक प्याज पहुंचाया जाता है। प्याज और चीनी के निर्यात पर जरूरत पड़ने पर न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाया जाता है या निर्यात को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया जाता है ताकि घरेलू बाजार में उपलब्धता बनी रहे। आवश्यकता पड़ने पर अन्य देशों से प्याज व चीनी के आयात को सुगम बनाने के लिए कस्टम ड्यूटी (सीमा शुल्क) घटाई जाती है।

प्याज संकट ने कैसे बदले राजनीतिक और आर्थिक इतिहास

भारत के राजनीतिक और आर्थिक इतिहास में प्याज का विशेष स्थान रहा है। प्याज केवल एक सब्जी नहीं बल्कि एक ऐसा संवेदनशील कारक रहा है जिसने कई बार चुनाव के नतीजे बदले हैं और सरकारों को हिलाकर रख दिया है। मसलन देश में साल 1980 का 'प्याज चुनाव' भारतीय राजनीति में प्याज का पहला बड़ा प्रभाव 80 के आम चुनाव में देखने को मिला। उस समय तत्कालीन जनता पार्टी सरकार के कार्यकाल में प्याज के दाम आसमान छूने लगे थे। इंदिरा गांधी ने प्याज की महंगाई को अपना मुख्य चुनावी मुद्दा बनाया और गले में प्याज की माला पहनकर प्रचार किया। नतीजतन, जनता पार्टी की सरकार गिर गई और कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई। इसी प्रकार भारतीय इतिहास का सबसे चर्चित खाद्य संकट साल 1998 का प्याज संकट माना जाता है, जब महाराष्ट्र और कर्नाटक में बेमौसम बारिश से प्याज की फसल पूरी तरह तबाह हो गई थी। उस समय दिल्ली और राजस्थान विधानसभा चुनावों में तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। साल 2010 में प्याज संकट तब आया, जब नासिक और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में अत्यधिक और बेमौसम बारिश के कारण खरीफ की फसल खराब हो गई।

ऐसे समय में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पाकिस्तान से प्याज का आयात किया और निर्यात पर पूरी तरह रोक लगाई और सीमा शुल्क शून्य कर दिया। इसके बाद साल 2013 के मध्य में मानसून की अनिश्चितता और सप्लाई चेन में बिचौलियों की साठगांठ के कारण देशभर में प्याज के दामों ने आसमान छूना शुरू किया तो विपक्ष ने सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए। हालांकि साल 2019 में प्याज में महा-संकट देखने को मिला, जिसका मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भारी बाढ़ के कारण मंडियों में रखा लाखों टन प्याज सड़ गया और खरीफ फसल बुरी तरह प्रभावित हुई।

आज का राशिफल

मेष- व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

वृष- आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

मिथुन- आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी।

कर्क- व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

सिंह- दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ।

कन्या- मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी।

तुला- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

धनु- धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

मकर- परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव।

कुम्भ- शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी।

मीन- प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

आज बदायूं जिले में नारी सम्मान सुपथ और सशक्तिकरण के मार्ग पर नया उत्तर प्रदेश

चमकता राजस्थान/जयपुर। लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा के शुभारंभ एवं विशेष बसों के फ्लैग-ऑफ हेतु लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के लाइव वर्चुअल संबोधन को बदायूँ स्थित डायट ऑडिटोरियम परिसर में देखा गया। इसके पश्चात माननीय कैबिनेट मंत्री श्री धर्मपाल सिंह जी एवं सदर विधायक श्री महेश चंद्र गुप्ता जी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वर्षा यादव जी, एमएलसी प्रतिनिधि श्री शारदेन्दु पाठक जी, जिलाधिकारी श्री अवनीश कुमार राय जी, एसएसपी अंकिता शर्मा जी, अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) श्री अभिषेक सिंह जी, वरिष्ठ नेता श्री मनोज कृष्णा गुप्ता जी, डीडीओ श्री मनोज कुमार जी सहित पार्टी के सम्मानित पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही। लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के तहत 'लोक कल्याण संकल्प पत्र-2022' के 'सशक्त नारी' संकल्प को नई गति देते हुए उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) की साधारण बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की जाएगी।

बदायूं में झूठे रेप केस की धमकी देकर 1.40 लाख वसूले बीजेपी नेता बताकर वसूली करने वाले आरोपी समेत दो गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/जयपुर। बदायूं पुलिस ने बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 1.40 लाख रुपये की वसूली करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है गिरफ्तार आरोपियों में खुद को बीजेपी नेता बताने वाला अमन मयंक शर्मा और उसका एक साथी शामिल है पुलिस ने उनके पास से 1 लाख 7 हजार रुपये भी बरामद किए हैं बड़े नेताओं के साथ फोटो दिखाकर रोप झाड़ते थे।

डग में सादगी से मनाया ईद मिलादुन्नबी का पर्व बैंड बाजे के साथ निकला जुलूस

चमकता राजस्थान./डग-26अगस्त(कुन्दन व्यास)। पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की यौमे विलादत के मुबारक अवसर पर डग में ईद मिलादुन्नबी का पर्व श्रद्धा और सादगी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नूरानी मस्जिद से बैंड-बाजे के साथ जुलूस निकाला गया।जुलूस में बच्चे हाथों में झंडे लिए हुए चल रहे थे।सभी लोग अनुशासित एवं शांतिपूर्ण ढंग से जुलूस में शामिल हुए।जुलूस नूरानी मस्जिद से प्रारंभ होकर होलीथड़ा,गणेश चौक, पुरानी कचहरी,नीम चौक,गंगधार गेट और पुराने बस स्टैंड से होते हुए वापस अंजुमन मदरसा पहुंचा।वहां सलातो-सलाम पेश किया गया तथा देश में अमन,चैन,खुशहाली और भाईचारे की दुआ की गई। इसके बाद जायरीन एवं समाजजनों को तबर्रुक वितरित किया गया।जुलूस का शहर में जगह जगह फूल बरसाकर स्वागत किया गया।ईद मिलादुन्नबी को लेकर शहर की विभिन्न मस्जिदों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया था।मदरसों के बच्चों में भी पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।पूरे शहर में सजावट और रोशनी के चलते माहौल खुशनुमा नजर आया।आयोजन के दौरान आपसी भाईचारे,शांति और सौहार्द का संदेश देखने को मिला।

सतलाना विद्यालय में साहस चैरिटेबल फाउंडेशन ने वितरित किए 101 पौधे

- **पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, विद्यार्थियों को पौधों की देखभाल के लिए किया प्रेरित**

चमकता राजस्थान/राजू भाई सागासनी/ब्यूरो चीफ जोधपुर/सतलाना। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सतलाना में पर्यावरण संरक्षण एवं विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से साहस चैरिटेबल फाउंडेशन की ओर से पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों को 101 पौधे वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नमकीन एवं बिस्किट का अल्पाहार भी वितरित किया गया। फाउंडेशन की ओर से डॉ. मीनाक्षी कच्छवाहा एवं लोकेश ने विद्यार्थियों को पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य मनीला गहलोत, एसएमसी अध्यक्ष नरेन्द्र प्रजापत सहित विद्यालय स्टाफ से मांगीलाल मारू, भजनलाल विश्नोई, हर्षिता चारण, अफसाना, योगिता, कल्याण सिंह, जोराराम, ओमप्रकाश एवं विक्रम सिंह उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य मनीला गहलोत ने साहस चैरिटेबल फाउंडेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। विद्यालय परिवार ने फाउंडेशन के इस सराहनीय सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का दिया संदेश, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

नागौर में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस-ए-मुहम्मदी

चमकता राजस्थान

रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। पैगम्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर शहर में जुलूस-ए-मुहम्मदी का आयोजन किया गया। जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों, विद्यार्थियों, बुजुर्गों एवं आमजन ने भाग लेकर प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। शहर काजी मोहम्मद मेराज उस्मानी ने तहसील चौक से हरी झंडी दिखाकर जुलूस को रवाना किया। इस अवसर पर दरगाह बड़े पीर साहब के सज्जादानशीन सैय्यद सदाकत अली जिलानी, वक्फ कमेटी दरगाह सूफी साहब के सदर शमशेर खान मुन्ना भाई, वक्फ कमेटी मदरसा हनफिया सुफिया के सदर सैय्यद सदाकत अली सुलेमानी, दारुल उलूम सुफिया हमीदिया के सदर याकूब खान, नायब शहर काजी मुफ्ती सादिक उस्मानी, मुफ्ती मोहम्मद इमरान अशफाकी, असगर कुरैशी, शरीफ कुरैशी, शकील ताकली, मोहम्मद अली अंसारी सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। दरगाह सूफी साहब के सदर शमशेर खान मुन्ना ने बताया कि विभिन्न मुस्लिम एनजीओ द्वारा संचालित स्कूलों, मदरसों एवं दारुल उलूम में अध्ययनरत विद्यार्थियों के साथ बड़ी संख्या में बुजुर्ग और आमजन जुलूस में शामिल हुए। जुलूस तहसील चौक से रवाना होकर सदर बाजार, काजियों का चौक, बाजारवाड़ा, गिनाणी तालाब होते हुए दरगाह सूफी साहब तिराहे से माही दरवाजे के अंदर पहुंचा। इसके बाद लोहारपुरा और मोहम्मदपुरा होते हुए जुलूस दरगाह सूफी साहब पहुंचा।

- **जुलूस मे जगह जुस पानी बोतले चॉकलेट बच्चो को दिये**

दरगाह परिसर में विद्यार्थियों एवं आलिमों ने हजरत मोहम्मद साहब की जीवनी और उनकी शिक्षाओं पर संक्षिप्त बयान दिए। इस दौरान नात-ए-पाक भी प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को दरगाह सूफी साहब के सदर शमशेर खान मुन्ना द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जुलूस में बेहतर व्यवस्थाएं करने वाले कार्यकर्ताओं तथा आकर्षक झांकियां सजाने वालों की भी हौसला अफजाई की गई। शहर काजी मोहम्मद मेराज उस्मानी ने भी विशेष योगदान देने वाले लोगों का सम्मान किया। इसके साथ ही जुलूस का समापन किया गया। आयोजन के दौरान पुलिस एवं प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए, जिससे जुलूस शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ।

आध्यात्मिक आस्था के अद्भुत संगम रुपी चातुर्मास में संतश्री तुलसारामंजी महाराज से मिले डॉ. सुरेश चव्हाणके एवं डॉ राजकुमार राजपुरोहित

चमकता राजस्थान

आसोतरा। आस्था, भक्ति और संत सान्निध्य का अद्भुत संगम देखने को मिला जब ब्रह्मधाम आसोतरा के ब्रह्म सावित्री पीठाधीश्वर परम पूजनीय संतश्री तुलछारामजी महाराज का 46वां चातुर्मास कार्यक्रम में मीडिया जगत से श्रद्धालु व्यक्तित्व आशीर्वाद लेने पहुंचे। आध्यात्मिक वातावरण के बीच सुदर्शन न्यूज चैनल के चेयरमैन डॉ. सुरेश चव्हाणके अपने परिवार के साथ पहुंचे व गुरुमहाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। आगामी 26 सितंबर तक चलने वाले इस चातुर्मास में प्रतिदिन धर्म प्रवचन, आध्यात्मिक सत्संग, तप-साधना, यज्ञ और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. सुरेश चव्हाणके के साथ उनके पूरे परिवार का पारंपरिक राजस्थानी परंपरा के अनुरूप साफा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। साथ ही इस आध्यात्मिक अवसर पर सुदर्शन चैनल के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ राजकुमार राजपुरोहित का भी राजपुरोहित समाज ने साफा पहनाकर स्वागत किया गया। संत सान्निध्य और समाज के आत्मीय मिलन से पूरा वातावरण श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह से सराबोर नजर आया। इस दौरान कान सिंह गुरडाई ने गुरुमहाराज की कुटिया, भोजनशाला, सभा भवन सहित विभिन्न तपोआश्रम आदि का अवलोकन करवाया। साथ ही चातुर्मास के दौरान चल रही धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी दी। इस कार्यक्रम में कानसिंह गुरडाइ, प्र''दसिंह मादड़ी, पवनसिंह ढाबर, रघुनाथसिंह आराबा, श्रवणसिंह नोरवा (चरखी दादरी), श्रवणसिंह नारवा, एसपी सिंह मेघलासिया, विशनसिंह घंटियाला, गोविन्दसिंह, सांवलचंद धुमाडिया, धुखाराम जूनी बाली, बृजेश दासपा, अशोकसिंह भेंसेर कोतवाली, मोतीसिंह थोब, ओमसिंह बासनी (बादशाह नमकीन) तथा कई वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद के संस्कार अभियान के अंतर्गत 'भारत को जानो' प्रतियोगिता का होगा आयोजन

चमकता राजस्थान

दौसा। भारत विकास परिषद द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली 'भारत को जानो' अखिल भारतीय लिखित परीक्षा का आयोजन 31 अगस्त 2026 को पूरे देश में एक साथ किया जाएगा। राजस्थान में इस अवसर पर एक ही दिन 3,500 से अधिक विद्यालयों के 5 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष राधेश्याम रंगा ने बताया कि भारत विकास परिषद वर्ष 1963 से सेवा, संस्कार, समर्पण एवं राष्ट्रीय चेतना के विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से ''स्वस्थ, समर्थ एवं संस्कारित भारत के निर्माण के लिए कार्यरत है। वर्तमान में परिषद की देशभर में 1,800 से अधिक शाखाएँ तथा एक लाख से अधिक सदस्य इस उद्देश्य की पूर्ति में सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि संस्कार निर्माण अभियान के अंतर्गत राजस्थान के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में 'भारत को जानो' प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी,जिसके लिए परिषद की 265 शाखाओं के कार्यकर्ता विद्यालयों में जाकर प्रतियोगिता का संचालन करेंगे।

क्षेत्रीय महासचिव सीए संदीप बाल्दी ने बताया कि परिषद वर्ष 2001 से राष्ट्रीय स्तर पर 'भारत को जानो' प्रतियोगिता का आयोजन कर रही है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, संस्कार, राष्ट्रीय मूल्यों एवं गौरवशाली इतिहास के प्रति आत्मगौरव और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करना है। प्रतिवर्ष इस प्रतियोगिता में पूरे देश में 18 लाख से अधिक विद्यार्थी भाग लेते हैं तथा 3 लाख से अधिक 'भारत को जानो' पुस्तकें विद्यार्थियों में वितरित की जाती हैं। इस वर्ष राजस्थान में 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों को प्रतियोगिता से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के प्रश्नपत्र भेजे जा चुके हैं तथा स्थानीय कार्यकर्ता विद्यालयों से सतत संपर्क कर आयोजन को अंतिम रूप दे रहे हैं।

निहालगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई नकबजनी का खुलासा तीन शातिर आरोपी गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

चमकता राजस्थान/धौलपुर संवाददाता :रामदास तरुण। पुलिस अधीक्षक धौलपुर विकास सांगवान आईपीएस के निर्देशन में निहालगंज थाना पुलिस ने भवा साहब का बाड़ा में घर का ताला तोड़कर की गई नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए चांदी के सिक्के, आभूषण एवं चांदी की मूर्तियां बरामद की हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा आरपीएस एवं वृताधिकारी वृत्त शहर प्रदीप कुमार आरपीएस के निकटतम सुपरवीजन तथा थानाधिकारी निहालगंज देवेन्द्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

पुलिस के अनुसार 26 जुलाई 2026 को बाग भवा साहब निवासी बृजेश उपाध्याय ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25-26 जुलाई की रात अज्ञात चोर उनके घर के मुख्य द्वार का ताला तोड़कर चांदी के सिक्के, आभूषण, मूर्तियां एवं नकदी चोरी कर ले गए। इस पर प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। विशेष टीम ने मुरैना, आगरा और मथुरा सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर लक्की (19), सुलेमान (19) तथा सौनू (21) को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 12 चांदी के सिक्के, 4 चांदी के बिछुआ, 4 चांदी की पायजेब, 1 चांदी का कछुआ एवं 1 चांदी की गणेश जी की मूर्ति बरामद की गई। पुलिस कार्रवाई में कांस्टेबल सौरभ 1059 एवं धर्मेन्द्र 1001 की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य चोरी की वारदातों के खुलासे के प्रयास कर रही है।

कर्नल करोड़ी सिंह बैसला की प्रतिमा लगाने के लिए किया गया भूमि पूजन

चमकता राजस्थान/दौसा। (दीपक शर्मा बामनवास)। भगवान विष्णु के अवतार आराध्य देव भगवान श्री देवनारायण मंदिर गुर्जर छात्रावास दौसा में स्व शिरोमणि कर्नल करोड़ी सिंह बैसला की प्रतिमा को लगाने के लिए छात्रावास में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा इकाई दौसा की और से भूमि पूजन किया गया इस कार्यक्रम में नेतृत्व करते हुए अध्यक्ष माधौ सिंह कसाना व अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा अध्यक्ष सतवीर छावडी सबलपुरा के नेतृत्व में भूमि पूजन किया गया इस कार्यक्रम में बच्चू सिंह तूगड विजय सिंह कसाना प्रवक्ता नरसी डोई कमल सिंह बैंसला एडवोकेट अजीत अवाना एडवोकेट घनश्याम गुर्जर हरि सिंह बाग और छात्रावास के सभी युवा छात्र उपस्थित थे

बाड़ी में बसपा की टिकट दावेदारी ने बढ़ाई हलचल, समर्थकों की भारी मौजूदगी ने दिए बड़े सियासी संकेत

चमकता राजस्थान

धौलपुर संवाददाता: रामदास तरुण/बाड़ी। आगामी नगर पालिका चुनाव को लेकर बाड़ी में राजनीतिक हलचल तेज होती नजर आ रही है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से टिकट की दावेदारी को लेकर बड़ी संख्या में समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने क्षेत्र के राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। दावेदार के समर्थन में लगातार बढ़ती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्थकों की भारी मौजूदगी को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। समर्थकों का कहना है, कि क्षेत्र में बसपा के प्रति लोगों का रुझान बढ़ रहा है, और इस बार नगर पालिका चुनाव में पार्टी मजबूत स्थिति के साथ मैदान में उतर सकती है। टिकट दावेदारी को लेकर सामने आ रहा जनसमर्थन पार्टी नेतृत्व के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि संगठन को ऐसे प्रत्याशी को मौका देना चाहिए, जिसकी क्षेत्र में मजबूत पकड़ हो और जो जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर उनकी समस्याओं को उठाता रहा हो। बाड़ी के साथ सैपऊ क्षेत्र में भी इस राजनीतिक गतिविधि को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।आगामी नगर पालिका चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला रोचक होने की संभावना जताई जा रही है। बसपा समर्थकों की सक्रियता ने चुनावी समीकरणों को लेकर नए कयासों को जन्म दे दिया है।

हालांकि टिकट को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व द्वारा किया जाएगा, लेकिन टिकट वितरण से पहले ही जिस तरह से समर्थकों की मौजूदगी और सक्रियता देखने को मिल रही है, उससे साफ है कि बसपा इस बार चुनावी मैदान में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराने की तैयारी में है। अब सभी की निगाहें बसपा नेतृत्व के निर्णय पर टिकी हैं। टिकट किस दावेदार को मिलता है, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा, लेकिन मौजूदा राजनीतिक माहौल ने बाड़ी की चुनावी राजनीति को जरूर दिलचस्प बना दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निवास पर 'सद्भावना के सिपाही' संगठन का सम्मान समारोह

25 वर्ष की सद्भावना यात्रा ,गहलोत ने सराहा संगठन का समर्पण

चमकता राजस्थान।

जयपुर। बुधवार को जयपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निवास पर 'सद्भावना के सिपाही' संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पहुँचकर गहलोत से मुलाकात की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूरे मन से संगठन के विचार और हमारे कार्यों की सराहना की। उन्होंने वर्ष 2008 में जयपुर में हुए बम धमाकों के दौरान संगठन द्वारा किए गए मानवता के प्रति समर्पण को भी याद किया और समय-समय पर हमारे प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर सद्भावना के सिपाही, राजस्थान के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2001 में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष एवं वर्तमान में कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी के निर्देश पर स्व. सुनील दत्त ने सद्भावना के सिपाही संगठन की नींव रखी और राजस्थान में इस संगठन की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई और पिछले 25 वर्षों से हम निरंतर लोगों को जोड़ने, सेवा, सद्भाव, भाईचारे और शांति के लिए कार्य करते आ रहे हैं।

25 वर्षों की यह यात्रा केवल एक संगठन की यात्रा नहीं, बल्कि शांति, सद्भाव और मानवता के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता की यात्रा है।

हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भी सद्भावना के सिपाही पूरी ऊर्जा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ देश में शांति ,हार्मोनी , ब्रदर-हुड और इनक्लूसिव डेवलपमेंट के लिए काम करते रहेंगे।

इस अवसर पर संगठन के सभी कार्यकर्ताओं का अशोक गहलोत ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएँ दीं

दोस्ती निभाना सीखे तो कोई राजीव अरोड़ा से सीखे :-अशोक गहलोत कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुरानी यादें ताजा करते हुए ओर पूर्व राज्य मंत्री राजीव अरोड़ा की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा की हमारी दोस्ती लगभग 53 वर्ष पुरानी है लेकिन आज भी दोस्ती वही है जो तिरपन वर्ष पूर्व थी ,दोस्ती निभाना सीखे तो कोई राजीव अरोड़ा से सीखे !

संक्षिप्त समाचार

नगरपालिका चुनाव को लेकर कांग्रेस की बैठक आयोजित

चमकता राजस्थान धरियावद। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशन में आगामी नगरपालिका चुनाव को लेकर धरियावद कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई ।बैठक ब्लॉक अध्यक्ष घनस्यामपुरी पूरी के नेतृत्व मे शुरू हुई जहाँ पार्टी से जिला प्रभारी लाल सिंह झाला विधान सभा प्रभारी कुलदीप पांडिया प्रतापगढ़ जिला अध्यक्ष दिग्विय सिंह पुरावत राजु टिकु ठा. भानु प्रताप सिंह राणावत पूर्व जिला अध्यक्ष पूर्व विधायक नगराज मीणा सहित उपस्थित रहे जहाँ पार्टी की ओर से माला पहना पाग पहरा के समान किये गये वही बैठक में आगामी चुनाव की तैयारियों, संगठन को मजबूत करने तथा वार्ड स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को लेकर चर्चा की गई।
बैठक में कांग्रेस पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनावी तैयारियों में जुटने तथा पार्टी की रीति-नीति एवं विकास कार्यों को आमजन तक पहुंचाने का आ''ान किया। इस दौरान आगामी नगरपालिका चुनाव को लेकर विभिन्न रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया।

लाडली बहन रक्षा पर्व 27 अगस्त को

चमकता राजस्थान महेश कुमार बिड़ला /मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। लाडली बहन रक्षा पर्व रक्षाबंधन स्नेह मिलन समारोह 27 अगस्त को मनाया जाएगा। मांडल विधायक प्रवक्ता कमलेश सिंह गुढ़ा ने बताया कि मांडल विधायक उदयलाल भडाणा द्वारा आयोजित रक्षाबंधन स्नेह मिलन समारोह 27 अगस्त को विधायक कार्यालय भडाणा वाटिका पालड़ी पर मनाया जाएगा। लाडली बहन रक्षा पर्व रक्षाबंधन स्नेह मिलन समारोह 27 अगस्त को सुबह 11 बजे मनाया जाएगा

जिले में पहली बार ऑनलाइन खाद वितरण किया जाएगा

चमकता राजस्थान धरियावद। प्रदेश में खाद की ऑनलाइन बिक्री शुरू हो चुकी है इसके तहत गुरुवार दिनांक 27.8.2026 से प्रतापगढ़ जिले में किसानों को ऑनलाइन वितरण शुरू किया जाएगा सरकार की ओर से लागू की गई फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफ एफ एस) व्यवस्था से प्रदेश के लाखों किसानों को राहत प्रदान की है इस व्यवस्था के जरिए किसान घर बैठे खाद की खरीद के लिए बुकिंग कर सकेगा यही नहीं एप्प के माध्यम से किसान यह भी पता लगा सकता है कि उसके समीप के खाद डीलर के पास कौन सा और कितना उर्वरक उपलब्ध है *कृषि विभाग देगा तकनीकी सहायता संयुक्त निदेशक बंशीधर मीणा ने जिले के किसानों से इस डिजिटल सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है उन्होंने बताया कि किसी भी तरह की तकनीकी या व्यवहारिक समस्या आने पर किसान उनके क्षेत्र के सहायक कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक तथा जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष के से तुरंत सहायता प्राप्त कर सकते हैं नई व्यवस्था को सुचारू ढ़ग लागू करने के लिए जिला व ब्लॉक स्तर पर उर्वरक विक्रेताओं को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा चुका है साथ ही किसानों को जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं *किसान ऐसे कर सकेंगे बुकिंग किसान अपनी फार्मर आईडी या आधार के जरिए एप्प पर आसानी से लॉगइन कर सकेंगे लॉगइन करते ही किसान अपने नजदीकी पंजीकृत विक्रेताओं के पास उपलब्ध यूरिया डीएपी एनपीके सहित अन्य उर्वरकों का स्टॉक देख सकेंगे और आवश्यकता अनुसार बुकिंग कर सकेंगे एफ एफ एस प्रणाली से न केवल किसानों की सहूलियत होगी बल्कि भूमि और फसलों के अनुसार वैज्ञानिक सिफारिश के अनुरूप खाद का वितरण सुनिश्चित हो सकेगा इससे उर्वरकों के अंधाधुन इस्तेमाल पर लगाम लगेगा और संतुलित उपयोग को बढ़ावा मिलेगा

ईद मिलादुन्नबी एवं बारावफात पर बाड़ी में निकला जुलूस- ए- मोहम्मदी, पुलिस की मुस्तैदी से शांतिपूर्ण रहा आयोजन

चमकता राजस्थान धौलपुर संवाददाता :रामदास तरुण/बाड़ी। ईद मिलादुन्नबी एवं बारावफात के मुबारक अवसर पर बाड़ी शहर में जुलूस- ए- मोहम्मदी श्रद्धा, शांति और सौहार्द के साथ निकाला गया। जुलूस में मुस्लिम समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान अमन, मोहब्बत, इंसानियत और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। जुलूस शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा। जुलूस के दौरान लोगों ने धार्मिक नारों के साथ पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं को याद किया तथा समाज में प्रेम, शांति और सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। जुलूस में शामिल लोगों ने अनुशासन एवं शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने में सहयोग किया। जुलूस के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी महेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता पूरी तरह मुस्तैद रहा।पुलिसकर्मियों ने जुलूस के मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था संभाली तथा यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के प्रयास किए।पुलिस प्रशासन की सतर्कता और आयोजकों एवं आमजन के सहयोग से जुलूस शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। इस अवसर पर शहर में आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल देखने को मिली। लोगों ने एक-दूसरे को ईद मिलादुन्नबी एवं बारावफात की मुबारकबाद दी। आयोजकों ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक अवसर समाज में प्रेम, भाईचारे और इंसानियत को मजबूत करने का संदेश देते हैं। सभी लोगों को मिल-जुलकर शहर की शांति एवं सद्भाव बनाए रखने में सहयोग करना चाहिए। जुलूस के शांतिपूर्ण आयोजन पर पुलिस प्रशासन, आयोजकों एवं सहयोग करने वाले सभी शहरवासियों का आभार व्यक्त किया गया। समस्त शहरवासियों को ईद मिलादुन्नबी एवं बारावफात की दिली मुबारकबाद।

मिट्टी की आड़ में गुजरात ले जा रहे थे 550 पेटी अवैध शराब, खेड़ापा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

22 चक्का ट्रेलर से अंग्रेजी शराब व बीयर बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार; ट्रेलर जब्त

चमकता राजस्थान।

राजू भाई सागासनी / ब्यूरो चीफ जोधपुर/जोधपुर ग्रामीण। नगर निकाय चुनाव 2026 के मद्देनजर अवैध शराब की तस्करी एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खेड़ापा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 550 कार्टन अंग्रेजी शराब एवं बीयर बरामद की। पुलिस ने शराब परिवहन में प्रयुक्त 22 चक्का ट्रेलर जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार महानिरीक्षक जोधपुर रेंज सत्येन्द्र सिंह एवं जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण पंकज यादव के निर्देशन में अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में 25 अगस्त 2026 को खेड़ापा थाना पुलिस ने थाना परिसर के सामने नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि नागौर की तरफ से नेशनल हाईवे संख्या 62 पर एक 22 चक्का ट्रेलर में चाईना क्ले (मिट्टी) के नीचे भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब छिपाकर गुजरात ले जाई जा रही है।

सूचना पर पुलिस ने ट्रेलर को रुकवाकर चालक से पूछताछ की। चालक ने अपना नाम रामचन्द्र पुत्र दलाराम, उम्र 33 वर्ष, निवासी निम्बलकोट, जिला बालोतरा बताया। प्रारंभ में उसने ट्रेलर में मिट्टी भरी होने की बात कही। पुलिस द्वारा तलाशी के दौरान मिट्टी के नीचे प्लास्टिक मैटिंग/शीट से ढके शराब एवं बीयर के कार्टन बरामद हुए।

पुलिस के मुताबिक चालक के पास शराब परिवहन से संबंधित वैध अनुज्ञापत्र अथवा लाइसेंस नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी रामचन्द्र को गिरफ्तार कर लिया और ट्रेलर भी जब्त कर लिया।

जहाजपुर में निकला हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिन पर भव्य जुलूस

- मुस्लिम समाज ने उत्साह के साथ मनाया जश्ने ईद मिलादुन्नबी, जगह-जगह हुआ लंगर और शरबत का वितरण

चमकता राजस्थान रियासत मलिक / जहाजपुर। जहाजपुर में मुस्लिम समाज द्वारा इस्लाम धर्म के अंतिम पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर जश्ने ईद मिलादुन्नबी बड़े उत्साह, श्रद्धा और अकीदत के साथ मनाया गया।
इस अवसर पर मुस्लिम समाज की ओर से एक भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और हाथों में इस्लामिक झंडे लेकर नात और धार्मिक नारों के साथ खुशी का इजहार किया गया। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी उत्साहपूर्वक जुलूस में शामिल रहे।
हजरत मुहम्मद साहब ने अपने जीवन के माध्यम से इंसानियत, अमन, भाईचारे, रहमत और सामाजिक समानता का संदेश दिया। उन्होंने महिलाओं और बेटियों को सम्मान प्रदान करने तथा समाज में उनके अधिकारों की रक्षा पर विशेष जोर दिया। उनके जीवन और शिक्षाओं से पूरी मानवता को मार्गदर्शन मिलता है।
चमन चौराह से शुरू हुआ जुलूस।
मुस्लिम समाज का भव्य जुलूस चमन चौराह से प्रारंभ हुआ। इसके बाद जुलूस गोल हथाई मोहल्ले से शाही जामा मस्जिद,वहां से गाजी नगरी,फिर गलगट्टी चौराह होते हुए सदर बाजार पहुंचा। इसके बाद जुलूस तकिया मस्जिद चौराह,बस स्टैंड,रस्लदार साहब की गली से होते हुए पुनः चमन चौराह पहुंचकर संपन्न हुआ।

लूणी बनेगा प्रशासनिक केंद्र, पंचायत समिति से लेकर एसडीएम व एसीपी कार्यालय तक आने की तैयारी

चमकता राजस्थान।

राजू भाई सागासनी/ब्यूरो चीफ जोधपुर। जोधपुर/लूणी। लूणी ब्लॉक के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी है। वर्तमान में पाल रोड, जोधपुर में संचालित हो रही पंचायत समिति लूणी को जल्द ही लूणी कस्बे में स्थानांतरित किए जाने की बात सामने आ रही है।
इसी के साथ एसडीएम लूणी कार्यालय के पास एसीपी पुलिस कार्यालय भी लूणी कस्बे में खोलने की तैयारी बताई जा रही है। ब्लाॅक शिक्षा विभाग तथा लूणी ब्लॉक से जुड़े अन्य तमाम सरकारी विभागों के कार्यालयों को भी लूणी कस्बे में स्थानांतरित करने की तैयारी है।
यदि यह व्यवस्था लागू होती है तो ग्रामीणों को प्रशासनिक एवं पुलिस संबंधी कार्यों के लिए जोधपुर शहर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अधिकांश प्रशासनिक सेवाएं लूणी कस्बे में ही उपलब्ध होने से आमजन को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि अगला प्रधान लूणी में ही बैठकर पंचायत समिति का संचालन करेगा। इससे लूणी कस्बे में प्रशासनिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ क्षेत्र के विकास कार्यों में भी तेजी आने की उम्मीद है।

- पंचायत समिति, शिक्षा विभाग समेत अन्य सरकारी कार्यालय भी लूणी कस्बे में होंगे संचालित

लूणी कस्बा देश-प्रदेश में अपने स्वादिष्ट रसगुल्लों की मिठास के लिए भी प्रसिद्ध है। अब सरकारी कार्यालयों के विस्तार से लूणी की प्रशासनिक पहचान भी और मजबूत होने की उम्मीद है।

भीनमाल में एक मात्र अर्धनारीश्वर महादेव मंदिर का 19 वा पाटोतसव धूमधाम से मनाया

चमकता राजस्थान भीनमाल / विष्णु दत व्यास। अर्धनारीश्वर महादेव मंदिर का पाटोत्सव मनाया। इस अवसर पर हजारों की तादाद में श्रद्धालु उपस्थित रहें। संरक्षक श्री सुरेश कुमार त्रिवेदी, अध्यक्ष ईश्वर लाल त्रिवेदी, उपाध्यक्ष श्री विकास दवे, सचिव अमित कुमार व्यास, कोषाध्यक्ष प्रशान्त कुमार प्रजापत की उपस्थिति में आज पुरे दिन भक्ति मय वातावरण रहा ।आज सुबह प्रातः आरती के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ । दिन में ध्वजारोहण व हवन ,शाम को चढ़ावे व सभी के भोजन का शाम को कार्यक्रम रखा गया। प्रशान्त त्रिवेदी, ललित व्यास, राहुल दवे, प्रवी त्रिवेदी, विनोद व्यास , यतिन व्यास , गोपीलाल , नरोतम दवे, नंदकिशोर त्रिवेदी, अभिषेक व्यास, जिगर व्यास , भरत वैष्णव , हिमांशु दवे आदि मुख्य कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

गणेशोत्सव की पृष्ठभूमि में ठाणे महानगरपालिका की गड्ढे भरने की विशेष मुहिम

चमकता राजस्थान।

अरविंद कोठारी/ठाणे : गणेशोत्सव की पृष्ठभूमि में ठाणे शहर के प्रमुख मार्गों, गणेश मंडलों तक जाने वाले रास्तों, विसर्जन जुलूस के मार्गों तथा नागरिकों की भारी आवाजाही वाले रास्तों को गड्ढामुक्त करने के लिए ठाणे महानगरपालिका की ओर से विशेष गड्ढे भरने की मुहिम शुरू की गई है। शहर के माजीवाड़ा, पातलीपाड़ा, कल्याण फाटा, तीन हाथ नाका तथा कोपरी पुल परिसर में सड़कों की मरम्मत का काम फिलहाल जारी है। यह जानकारी नगर अभियंता प्रशांत सोनग्रा ने दी।

गणेशोत्सव के दौरान शहर में नागरिकों और वाहनों की बड़ी संख्या में आवाजाही होती है। इस पृष्ठभूमि में सड़कों पर मौजूद गड्ढों के कारण नागरिकों को होने वाली परेशानी को कम करने के लिए महानगरपालिका के सभी संबंधित विभागों को आवश्यक उपाययोजना करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस विशेष मुहिम के तहत मुख्य सड़कें, आंतरिक सड़कें, गणेश मंडलों तक जाने वाले मार्ग, विसर्जन मार्ग तथा यातायात की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों पर मौजूद गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जा रहा है। गड्ढे भरने के काम की गुणवत्ता और मजबूती की भी संबंधित अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है।

इसके साथ ही गणेशोत्सव के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सड़कों का नियमित निरीक्षण करने और नए गड्ढे दिखाई देने पर उन्हें तत्काल भरने के निर्देश दिए गए हैं।

ठाणे महानगरपालिका नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और गड्ढामुक्त सड़कें उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। गणेशोत्सव शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। नागरिकों को यदि सड़कों पर गड्ढे या सड़क से संबंधित कोई समस्या दिखाई दे तो इसकी जानकारी महानगरपालिका की संबंधित व्यवस्था को देने की अपील ठाणे महानगरपालिका की ओर से की गई है।

गड्ढा दिखाई देते ही 24 घंटे में मरम्मत

महानगरपालिका प्रशासन की ओर से शहर की सड़कों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही नागरिकों या संबंधित विभागों से गड्ढे की जानकारी मिलने के बाद उस पर तत्काल कार्रवाई करने की योजना बनाई गई है। किसी स्थान पर गड्ढा होने की जानकारी मिलने के बाद 24 घंटे के भीतर उसे भरने का काम किया जा रहा है, ऐसा नगर अभियंता प्रशांत सोनग्रा ने स्पष्ट किया।

रायसिंहनगर नगरपालिका चुनावः वार्ड 14 से वीना मेघवाल ने किया आवेदन, समर्थकों की जुटी भारी भीड़

चमकता राजस्थान रायसिंहनगर (संजय बिश्नोई)नगरपालिका चुनावों को लेकर कांग्रेस पार्टी की ओर से वार्ड पार्षद पद के लिए आवेदन लेने हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस जिला सहप्रभारी जिया उर रहमान, प्रभारी नितिन व्यास, ब्लॉक अध्यक्ष राकेश ठोलिया, पूर्व विधायक दौलत राज नायक, पूर्व विधायक सोना देवी बावरी, रायसिंहनगर पंचायत समिति उपप्रधान श्रीमती संतोष बिश्नोई,जगतार समरा, जिला परिषद सदस्य दीपेश नायक, संतलाल मेघवाल, लाभ सिंह बावरी सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के दौरान विभिन्न वार्डों से पार्षद पद के दावेदारों के आवेदन लिए गए। इस दौरान वार्ड नंबर 14 से वीना मेघवाल अपने समर्थकों के साथ आवेदन करने पहुंचीं। वीना मेघवाल के समर्थन में जुटी भीड़ को लेकर कार्यक्रम में राजनीतिक चर्चा भी देखने को मिली। वीना मेघवाल ने पार्षद पद के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि पार्टी उन्हें टिकट देती है तो वे पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेंगी और जीत हासिल करने के लिए कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ मिलकर काम करेंगी।

अन्नपूर्णा भंडार योजना के लाभार्थियों से मिले मंत्री शंकर घोष, घर-घर जाकर की भुगतान की जांच

एजेंसी

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी के विधायक तथा राज्य के पर्यटन मंत्री शंकर घोष ने बुधवार को शहर के 15 नंबर वार्ड में अन्नपूर्णा भंडार योजना के लाभार्थियों से मिलने उनके घर पहुंचे। वार्ड के को-ऑर्डिनेटर और पार्टी कार्यकताओं के साथ मंत्री ने विभिन्न घर-घर जाकर लाभार्थियों से बातचीत की और उनके बैंक खातों में अन्नपूर्णा भंडार की राशि पहुंची है या नहीं, इसकी मौके पर जांच की।

निरीक्षण के दौरान मंत्री शंकर घोष ने योजना का आर्थिक लाभ प्राप्त करने वाले लोगों से बातचीत कर उनका अनुभव जाना। उन्होंने यह भी देखा कि सरकारी सेवा वास्तव में लाभार्थियों तक पहुंची है या नहीं। जिन लोगों के खाते में राशि पहुंच चुकी है, उनके घर पर शंकर घोष ने स्वयं अन्नपूर्णा भंडार योजना के माध्यम से मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद व्यक्त करने वाला स्टिकर भी लगाया।

पत्रकारों से बातचीत में शंकर घोष ने कहा कि 15 नंबर वार्ड के को-ऑर्डिनेटर और कार्यकताओं के साथ मिलकर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उनके अनुसार, अन्नपूर्णा भंडार का लाभ पाने के योग्य कई महिलाओं के बैंक खातों में तीन-तीन हजार रुपये की राशि पहुंच चुकी है। वहीं, जिन लाभार्थियों के खाते में अभी तक राशि नहीं पहुंची है, उनसे भी बातचीत कर समस्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि यदि कोई योग्य लाभार्थी अभी तक योजना की राशि से वंचित है, तो वह उनके विधायक सेवा केंद्र से संपर्क कर सकता है। उन्होंने बताया कि सिलीगुड़ी विधानसभा क्षेत्र की करीब 32 हजार महिलाएं अन्नपूर्णा भंडार का लाभ प्राप्त कर चुकी है।

अन्नपूर्णा भंडार को लेकर विरोध और नाराजगी के सवाल पर शंकर घोष ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोगों में गुस्सा, नाराजगी या शिकायत हो सकती है, लेकिन जो लोग योजना के लिए पात्र हैं, उन्हें निर्धारित नियमों के अनुसार सरकारी सहायता जरूर मिलेगी।

मालदा मेडिकल कॉलेज में एक ही दिन दस नवजातों की मौत पर स्वास्थ्य भवन ने मांगी रिपोर्ट

एजेंसी

मालदा। मालदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक ही दिन दस नवजात बच्चों की मौत की घटना को लेकर स्वास्थ्य भवन ने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। मेडिकल कॉलेज सूत्रों के अनुसार, यह घटना अगस्त महीने के दूसरे सप्ताह की है। मालदा मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने भी एक ही दिन में दस नवजातों की मौत की बात स्वीकार की है।

मेडिकल कॉलेज सूत्रों के मुताबिक, जिन 10 बच्चों की उस दिन मौत हुई, उनमें से 8 को गंभीर हालत में बाहर के अस्पतालों या नर्सिंग होम से मालदा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। बताया जा रहा है कि इन बच्चों में कुछ का जन्म अन्य सरकारी अस्पतालों या नर्सिंग होम में हुआ था।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, बच्चों की हालत बेहद गंभीर थी। सांस लेने में परेशानी, पीलिया और हृदय संबंधी समस्याओं समेत विभिन्न जटिलताओं के कारण इन नवजातों की मौत होने की बात सामने आई है।

मालदा मेडिकल कॉलेज के मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रसेंजीत बर ने बताया कि हाल ही में एक दिन में 10 नवजात बच्चों की मौत हुई थी। हालांकि, इन 10 बच्चों में से केवल दो का जन्म मालदा मेडिकल कॉलेज में हुआ था। बाकी आठ बच्चों को गंभीर हालत में बाहर से मालदा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था।

मंत्री अजय पोद्दार को महिला कर्मचारियों ने बांधी राखी, नबान्न में रक्षाबंधन का खास नजारा

एजेंसी

कोलकाता। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बुधवार को राज्य सचिवालय नबान्न में भाई-बहन के स्नेह और आत्मीयता का खास नजारा देखने को मिला। पीडब्ल्यूडी और पीएचई मंत्री अजय पोद्दार ने अपने कार्यालय में महिला कर्मचारियों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया।

इस मौके पर कार्यालय का माहौल पूरी तरह पारिवारिक नजर आया। महिला कर्मचारियों ने मंत्री अजय पोद्दार की कलाई पर राखी बांधी और माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंत्री ने भी सभी महिला कर्मचारियों को उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

रक्षाबंधन के अवसर पर मंत्री अजय पोद्दार ने प्रदेशवासियों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल कलाई पर राखी बांधने का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, विश्वास, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि ऐसे त्योहार लोगों के बीच रिश्तों को और मजबूत करते हैं। साथ ही, कार्यालय जैसे औपचारिक माहौल में भी पारिवारिक अपनापन और आत्मीयता का भाव पैदा करते हैं। मंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन हमें यह संदेश देता है कि समाज में प्रेम, सम्मान और भाईचारे की भावना बनी रहे। ऐसे पर्व लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का काम करते हैं।

रक्षाबंधन समारोह के दौरान नबान्न में मौजूद महिला कर्मचारियों और अन्य कर्मचारियों के बीच भी खासा उत्साह देखने को मिला। पूरे कार्यक्रम के दौरान खुशी और आत्मीयता का माहौल बना रहा।

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार ने 43 प्रतिशत चुनावी वादे पूरे किए : अग्निमित्रा पाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की शहरी विकास मंत्री अग्निमित्रा पाल ने बुधवार को दावा किया कि मई में सत्ता में आने के बाद राज्य की भाजपा सरकार अपने चुनावी घोषणापत्र में किए गए 43 प्रतिशत वादे पूरे कर चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान जमीनी स्तर पर विकास और राज्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश आकर्षित करने पर है। पाल यहां क्रेडाई की ओर से आयोजित कोलकाता टेककॉन 2026 कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने चुनावी घोषणापत्र में किए गए 43 प्रतिशत वादे पहले ही पूरे कर दिए हैं। हालांकि, उन्होंने इन वादों और उन्हें पूरा किए जाने से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। शहरी विकास मंत्री ने राज्य में कॉरपोरेट और औद्योगिक निवेश बढ़ने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि सरकार जमीनी स्तर पर विकास के लिए लगातार काम कर रही है और आने वाले समय में बड़ी संख्या में उद्योगों के पश्चिम बंगाल आने की उम्मीद है। इससे पहले राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने भी निवेश को बढ़ावा देने के लिए उद्योग और भूमि से जुड़ी अलग-अलग नीतियां लाने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि प्रस्तावित उद्योग नीति में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भी कई प्रावधान शामिल किए जा सकते हैं। सरकार का दावा है कि नई नीतियों और निवेश को बढ़ावा देने वाले कदमों के जरिए पश्चिम बंगाल में औद्योगिक गतिविधियों को गति देने की कोशिश की जा रही है।

राखी के बाजार में बढ़ी रौनक, जलपाईगुड़ी में ग्राहकों की उमड़ी भीड़, कस्टमाइज्ड चॉकलेट बनी खास आकर्षण

एजेंसी

जलपाईगुड़ी। रक्षाबंधन को लेकर जलपाईगुड़ी शहर के दिनबाजार में राखी का बाजार सजकर तैयार है। राखी की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। लाइटिंग वाली राखियों के साथ-साथ कार्टून के विभिन्न किरदारों की तस्वीर वाली राखियां बच्चों को खास तौर पर पसंद आ रही हैं। वहीं, अलग-अलग डिजाइन और रंगों की राखियां खरीदने के लिए छोटे-बड़े सभी ग्राहक दुकानों पर पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी सभी लोगों से राखी उत्सव मनाने की अपील की है। ऐसे में राखी बाजार के और अधिक चहल-पहल वाला होने की उम्मीद विक्रेताओं को है। दुकानदारों का कहना है कि इस बार बिक्री अच्छी रहने की संभावना है।

इसी बीच, राखी उत्सव को लेकर जलपाईगुड़ी के आनंदचंद्र कॉलेज की चतुर्थ वर्ष की छात्रा लिजा दास अपने अनोखे चॉकलेट डिजाइन को लेकर चर्चा में हैं। शहर के बोसपाड़ा की रहने वाली लिजा ने भाई-बहनों के लिए अलग-अलग थीम पर कस्टमाइज्ड चॉकलेट तैयार की हैं।

लिजा ने भाइयों के लिए बैट और कोट के आकार की चॉकलेट बनाई है, जबकि बहनों के लिए मेकअप किट, बैग और ड्रेस के आकार में चॉकलेट तैयार की हैं। करीब एक साल पहले महज शौक के तौर पर इस तरह की चॉकलेट बनाना शुरू करने वाली लिजा अब सोशल मीडिया पर ह्यचोको ब्लूम बाई लिजाह्ल के नाम से पहचान बना चुकी हैं।

उनकी बनाई चॉकलेट की कीमत 100 रुपये से शुरू होती है। चॉकलेट के कॉम्बो बॉक्स के साथ राखी मुफ्त दी जा रही है। वहीं, 999 रुपये की खरीदारी पर ग्राहकों को बेंटो केक भी उपहार के तौर पर दिया जा रहा है।

पढ़ाई के साथ-साथ लिजा अपने हुनर को व्यवसाय का रूप देकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। राखी के मौके पर उनके कस्टमाइज्ड चॉकलेट उत्पाद भाई-बहनों के लिए खास उपहार का विकल्प बनकर सामने आए हैं।

संक्षिप्त खबरें

सावन महोत्सव में झूमे नन्हे मुन्हे बच्चे,अव्वल कलाकार पुरस्कृत

नवादा। नवादा के बी पी एस पब्लिक स्कूल सह बी पी एस किड्स जोन राम नगर के सभागार में बुधवार को सावन महोत्सव तथा रक्षाबंधन का त्योहार उत्साह के साथ मनाया गया। जिसमें सैकड़ो छात्र छात्राओं ने सावन गीत गाकर श्रोताओं को झूमने को मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक पंकज कुमार, प्राचार्य मनोरंजन कुमार सिन्हा तथा उप प्राचार्य सारिका भगत के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया । उसके बाद निदेशक पंकज कुमार के द्वारा भगवान गणेश, शंकर तथा माता पार्वती की आरती उतार कर किया गया। इसके बाद विद्यालय के छात्र और छात्राओं के द्वारा भगवान शिव को समर्पित कई रंगारंग और मनमोहक प्रस्तुति की गई जिसे सैकड़ों की संख्या में उपस्थित अभिभावकों ने आनंद लिया। इसके बाद भाई बहन को समर्पित रक्षा बंधन पर्व को बहुत ही समर्पित भाव से मनाया गया, जिसमें सभी बहनों ने अपने वर्ग के अपने भाईयों की कलाई में राखी बांधकर उनसे वचन लिया कि वे सदैव उनकी रक्षा करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक साथियों यथा विश्वास कुमार, आकाश, विनोद, सोनाली, पम्मी, समृद्धि, पूजा, आरती, करीना, मुस्कान, वर्षा, सुचित, विभूति, आदित्या, कृष्णा तथा स्वीटी का भरपूर योगदान रहा।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूसे मोहम्मदी, अकीदत में डूबा सीवान

सीवान। पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद सलल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्मदिन जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को शहर में जुलूसे मोहम्मदी निकाला गया। बारह रबीउल अव्वल के मौके पर आयोजित जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान शहर का माहौल अकीदत और उत्साह से सराबोर रहा। जुलूस के स्वागत के लिए निर्धारित मार्ग पर जगह-जगह आकर्षक फूल-पत्तियों से तोरण द्वार बनाए गए थे। मस्जिदों, गली-मोहल्लों को भी आकर्षक तरीके से सजाया गया था। जुलूस के दौरान कई स्थानों पर फूलों की बारिश की गई, जबकि विभिन्न जगहों पर स्टॉल लगाकर लोगों के बीच शरबत, पानी, केक, बिस्कुट, फल, ठंडा पेय और चॉकलेट आदि का वितरण किया गया। बुधवार की सुबह शहर के विभिन्न मोहल्लों से जुलूसे मोहम्मदी निकला और पुराना किला मैदान में एकत्रित हुआ। यहां से सुबह करीब नौ बजे विशाल जुलूस निर्धारित मार्ग से रवाना हुआ। जुलूस पुराना किला से बबुनिया रोड, सराय मोड़, तेलहट्टा बाजार, बड़ी मस्जिद के पीछे से कागजी मोहल्ला, शास्त्री नगर, जेपी चौक, दरबार मस्जिद, थाना रोड होते हुए हाफिजी चौक के रास्ते शेख मोहल्ला स्थित ग्यारहवीं शरीफ मस्जिद पहुंचा। वहां दरूदो सलाम और फातेहाखानी के बाद जुलूस का समापन हुआ।

बिहार के सुपौल जिले में मंदिर के पास कीर्तन कर रहे लोगों को वाहन ने रौंदा, पांच की मौत

एजेंसी

सुपौल। बिहार में सुपौल जिले के पिपरा थाना क्षेत्र में मंगलवार देररात सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। हादसा कटैया चौक के पास एनएच-327ई किनारे बजरंगबली मंदिर के समीप हुआ। यहां करीब छह लोग कीर्तन कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने इन लोगों को रौंदते हुए करीब 50 मीटर दूर जाकर सड़क किनारे स्थित एक दुकान में जा घुसा।

हादसे में तिलाई दास (65), राजू दास (50), सुरेंद्र यादव (45), भुवनेश्वरी यादव उर्फ कोयली यादव और कृष्ण मोहन साह की मौत हो गई। मृतक कटैया पंचायत के रहने वाले थे। वहीं रामचंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हैं। तिलाई दास और राजू दास कटैया पंचायत के वार्ड 12, सुरेंद्र यादव वार्ड 15, भुवनेश्वरी यादव उर्फ कोयली यादव वार्ड 11 और कृष्ण मोहन साह वार्ड 13 के निवासी थे। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के घरों में कोहराम मच गया।

सूचना पाकर स्थानीय पुलिस पहुंची और कहर बरपाने वाले वाहन को कब्जे में लिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। मंगलवार देररात डीएम सावन कुमार ने बताया कि एसडीएम को घटनास्थल पर भेजा गया है और पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

हादसे से ग्रामीणों में आक्रोश है। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने कटैया चौक के पास सड़क किनारे लगी अस्थायी दुकानों को हटवाना शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क किनारे अतिक्रमण और दुकानें होने से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने भविष्य में ऐसी घटना रोकने के लिए सड़क किनारे की अस्थायी दुकानों को हटवाने की मांग की है।

त्योहारी सीजन से पहले महंगाई का करंट, 10 दिनों में 70 रुपया पहुंची चीनी, चाय की चुस्की और मिठाइयां हुई महंगी

एजेंसी

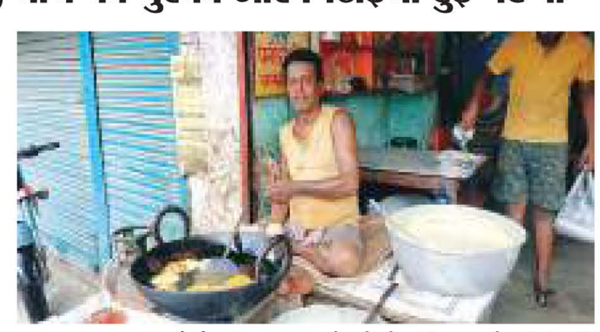

भागलपुर। रक्षाबंधन और आगामी त्योहारी सीजन से ठीक पहले आम जनता की रसोई और व्यापारियों के बजट पर महंगाई की बड़ी मार पड़ी है। महज 10 दिनों के भीतर खुदरा बाजार में चीनी की कीमत 15 से 25 रुपये प्रति किलो तक बढ़कर 70 रुपये के आंकड़े को छू गई है। चीनी के दामों में आए इस अप्रत्याशित उछाल ने स्थानीय बाजार का गणित पूरी तरह बिगाड़ दिया है। इसका सबसे सीधा और तत्काल असर शहर की चाय दुकानों और मिठाई कारोबार पर देखने को मिल रहा है, जहां दुकानदारों ने घाटे से बचने के लिए अपनी कीमतें बढ़ा दी हैं। भागलपुर के कचहरी चौक, स्टेशन रोड, सुजागंज और तिलकामांझी जैसे प्रमुख व्यावसायिक इलाकों में स्थित चाय दुकानों पर अब ग्राहकों को जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है। खुदरा बाजार में चीनी महंगी होने के कारण चाय दुकानदारों ने प्रति कप दाम में 2 रुपये से 3 रुपये तक की बढ़ोतरी कर दी है। पहले जो साधारण चाय 7 से 8 रुपये में मिलती थी, वह अब 10 रुपये की हो गई है। दूध और चीनी दोनों के बढ़ते खर्चों के कारण स्पेशल कुल्हड़ चाय की कीमत 15 रुपये से बढ़कर 18 से 20 रुपये प्रति कप तक पहुंच गई है। चाय दुकानदारों का कहना है कि चीनी के साथ-साथ दूध के दाम पहले से ही बढ़े हुए थे, ऐसे में चीनी की इस नई तेजी के बाद पुरानी कीमतों पर धंधा चलाना नामुमकिन हो गया था।

त्योहारों के ठीक पहले चीनी की किल्लत और बढ़ती कीमतों ने भागलपुर के मिठाई निमार्ताओं की चिंता सबसे ज्यादा बढ़ा दी है। रक्षाबंधन पर मिठाइयों की मांग चरम पर होती है, लेकिन कच्चे माल की लागत बढ़ने से मिठाइयों के दाम 30 रुपये से लेकर 50 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गए हैं। सामान्य मिठाइयां (पेड़ा, बर्फी, रसगुल्ला) जो पारंपरिक मिठाइयां पहले 280 से 320 रुपये प्रति किलो बिक रही थीं, उनकी कीमत अब बढ़कर 320 से 360 रुपये प्रति किलो हो गई है।

भागलपुर के कई इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी, फसलें जलमग्न

एजेंसी

भागलपुर। जिले में गंगा और उसकी सहायक नदियों के जलस्तर में वृद्धि होने से बाढ़ का संकट गहराने लगा है। भागलपुर के गोराडीह प्रखंड के दक्षिणी क्षेत्र स्थित बहियार (खेत-खलिहान) में बाढ़ का पानी तेजी से प्रवेश कर गया है। इसके अलावा, लैलख और ममलखा सहित कहलगांव प्रखंड के विभिन्न निचले इलाकों में भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

गोराडीह प्रखंड के दक्षिणी बहियार में बाढ़ का पानी घुसने से सैकड़ों एकड़ में लगी धान और अन्य खरीफ फसलें पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं।

किसानों को भारी नुकसान की आशंका सता रही है। इसके साथ ही बहियार में पानी भरने से पशुपालकों के सामने मवेशियों के लिए चारे का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

लैलख और ममलखा के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाने से आवागमन प्रभावित होने लगा है। कई ग्रामीण सड़कों पर पानी चढ़ गया है, जिससे लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा, तो पानी बहुत जल्द घरों में भी घुस जाएगा। उधर कहलगांव प्रखंड के कई गांवों और दियारा क्षेत्रों में भी बाढ़ की स्थिति विकराल होती जा रही है।

नदी किनारे बसे इलाकों में तेजी से पानी फैल रहा है। प्रभावित क्षेत्रों के लोग अब सुरक्षित स्थानों और ऊंचे तटबंधों की ओर पलायन करने की तैयारी में हैं।

स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों का जल्द से जल्द मुआयना किया जाए और प्रभावित लोगों व पशुओं के लिए राहत सामग्री, नाव तथा चारे की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बगहा अनुमंडल क्षेत्र में तटबंध एवं घाटों का पश्चिम चम्पारण जिला पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

एजेंसी

पश्चिम चम्पारण(बगहा)। नेपाल में GLOF की सूचना एवं गंडक नदी में संभावित जल वृद्धि के मद्देनजर जिलाधिकारी, पश्चिम चम्पारण तरनजोत सिंह ने आज बुधवार को बगहा अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न तटबंध एवं घाटों का निरीक्षण किया है। इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारी एवं अभियंताओं को तटबंधों की सतत निगरानी, आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने तथा किसी भी संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद रहने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तटवर्ती एवं निचले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, उन्होंने आमलोगों से अपील की कि वे पैनिक नहीं करें, नदी के समीप अनावश्यक रूप से नहीं जाय और केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

ब्रूनो फर्नांडिस बने पीएफए प्लेयर ऑफ द ईयर

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खदीजा शॉ को मंगलवार को पुरुष और महिला वर्ग में प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन (पीएफए) प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान फर्नांडिस ने पिछले सत्र में नौ गोल किए और रिकॉर्ड 21 असिस्ट दिए। उनके प्रदर्शन की बदौलत यूनाइटेड ने शीर्ष लीग में तीसरा स्थान हासिल किया। वह यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे पुर्तगाली खिलाड़ी हैं। उनसे पहले क्रिस्टियानो रोनाल्डो यह सम्मान हासिल कर चुके हैं। जमैका की स्ट्राइकर खदीजा शॉ ने दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले उन्हें 2024 में भी पीएफए प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था। पिछले सत्र में उन्होंने मैनचेस्टर सिटी के लिए 21 गोल किए। मैनचेस्टर सिटी के डिफेंडर निको ओ'राइली को यंग प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। उन्होंने 2026 फीफा विश्व कप में इंग्लैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं, आर्सेनल की 22 वर्षीय स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने लगातार दूसरी बार महिला वर्ग में यंग प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता। प्रीमियर लीग चैंपियन आर्सेनल के पांच खिलाड़ियों को पीएफए टीम ऑफ द सीजन में जगह मिली।

गावस्कर ने पिच को लेकर आईसीसी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया में खेल गये क्रिकेट टेस्ट के केवल दो दिनों में ही समाप्त होने पर सवाल उठाये हैं। गावस्कर ने इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर भी निशाना साधा है। गावस्कर ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट में पिचों के मूल्यांकन को लेकर दोहरा मापदंड अपनाया जा रह है। साथ ही कहा कि यदि ऐसा ही कोई मुकाबला भारत में इतनी जल्दी समाप्त होता, तो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सबसे पहले भारतीय पिचों की तीखी आलोचना करते पर ऑस्ट्रेलिया में ऐसा होने पर कोई कुछ नहीं कह रहा है। गावस्कर के अनुसार पिछले कुछ साल में ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैच दो दिन के भीतर खत्म हुए हैं, जिसमें पिछले साल की एशेज सीरीज के पर्थ और मेलबर्न टेस्ट भी शामिल हैं। इसके बाद भी इन तेज और अतिरिक्त उछाल वाली पिचों की कभी आलोचना नहीं की गई। वहीं अगर ऐसा भारतीय पिचों पर होता तो कई प्रकार की बातें होने लगतीं। गावस्कर के अनुसार, भारतीय पिचों पर मैच जल्दी खत्म होने पर तुरंत पिच की गुणवत्ता पर बहस छिड़ जाती है, जबकि ऑस्ट्रेलिया में ऐसा होने पर खराब मौसम आदि का हवाला दे दिया जाता है।

क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक ओवर फेंकने वाले शीर्ष दो गेंदबाज है मुरलीधरन और कुंबले

कोलंबो। श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम गेंदबाजी में कई रिकार्ड है। इन्हीं में एक सबसे अधिक ओवर फेंकने का रिकार्ड भी मुरलीधरन के नाम है। वहीं भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले का नाम दूसरे स्थान पर है। मुरलीधरन ने अपने 1992 से 2010 तक के करियर में कुल 133 टेस्ट मैचों में 7339.5 ओवर गेंदबाजी की। इन ओवरों में उन्होंने 800 टेस्ट विकेट लिए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सर्वाधिक विकेट हैं, और उनका गेंदबाजी औसत 22.73 रहा। उनके ठीक बाद, भारत के कुंबले ने 1990 से 2008 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 6808.2 ओवर फेंके। कुंबले ने अपने दमदार करियर में 619 विकेट हासिल किए और उनका औसत 29.65 रहा, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है। इस विशेष सूची में ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न भी तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 1992 से 2007 तक 145 टेस्ट मैचों में 6784.1 ओवर डाले और 708 विकेट झटके। उनके बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी के दिग्गज जेम्स एंडरसन का नाम आता है, जिन्होंने 2003 से लेकर अब तक 188 टेस्ट मैचों में 6672.5 ओवर फेंके हैं। एंडरसन ने इस दौरान 704 विकेट लिए हैं।ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लियोन भी इस सूची में अपनी जगह बनाए हुए हैं, जिन्होंने 2011 से अब तक 143 टेस्ट मैचों में 5853.1 ओवर फेंके हैं और 571 विकेट अपने नाम किए हैं। लियोन भी एंडरसन की तरह अभी तक टेस्ट क्रिकेट में सक्रिय हैं। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने 167 टेस्ट मैचों के करियर (2007-2023) में 5616.2 ओवर फेंके और 604 विकेट लिए। वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कोर्टनी वॉल्श ने भी 1984 से 2001 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 5003.1 ओवर डालकर 519 विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी। ये सभी आंकड़े दर्शाते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में लंबी अवधि तक सफल रहने के लिए न केवल कौशल बल्कि अविश्वसनीय शारीरिक और मानसिक दृढ़ता की आवश्यकता होती है।

विश्व कप स्वर्ण के बाद एशियाई खेलों में पदक पर सुचि की नजर

सुचि के लिए निशानेबाजी किसी तय योजना का हिस्सा नहीं थी

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के झज्जर जिले के छोटे-से गांव सासरौली की 20 वर्षीय पिस्टल निशानेबाज सुचि इंदर सिंह फोगाट की कहानी संघर्ष, आत्मविश्वास और लगातार सुधार की मिसाल है। 13 साल की उम्र में भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग अकादमी में पिस्टल थामने वाली सुचि आज जूनियर विश्व रिकॉर्डधारी और कई बार की आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता हैं। अब उनकी नजरें आइची-नागोया एशियाई खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा पर हैं।

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए सुचि ने एक आधिकारिक बयान में कहा, जब मैंने निशानेबाजी शुरू की थी, तब कोई मुझे नहीं जानता था। मैं सिर्फ 13 साल की सामान्य लड़की थी, जिसके पास भारतीय टीम की जर्सी भी नहीं थी। आज उस जर्सी को पहनना मेरे लिए गर्व की बात है। वह बताती है कि मैंने कितनी लंबी यात्रा तय की है।

सुचि के लिए निशानेबाजी किसी तय योजना का हिस्सा नहीं थी। उन्होंने संयोग से इस खेल को अपनाया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनका मानना है कि निशानेबाजी ने उन्हें अपनी पहचान खुद बनाने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, लोग निशानेबाजी को देखकर सोचते हैं कि इसमें मुश्किल क्या है, बस खड़े होकर निशाना लगाना है। लेकिन वे यह नहीं देखते कि खिलाड़ी के अंदर क्या चल रहा होता है। हर शॉट के दौरान अपने विचार, सांस और भावनाओं पर नियंत्रण रखना असली चुनौती है।

सुचि हार को भी सीखने का अवसर मानती हैं। उन्होंने कहा कि किसी प्रतियोगिता से केवल पदक ही हासिल नहीं होता। अगर वह जीत नहीं पातीं तो अपनी गलती तलाशती हैं, उसे समझती हैं और अगली बार बेहतर प्रदर्शन के लिए वापसी करती हैं।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के सहयोग को भी सुचि अपनी सफलता में अहम मानती हैं। उनके मुताबिक कोच और प्रशिक्षण शिविरों ने उनके अभ्यास, तैयारी और खेल को समझने के तरीके में काफी बदलाव किया है।

सुचि ने 2025 सत्र का समापन दोहा में आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में जूनियर विश्व रिकॉर्ड के साथ किया था। इसके बाद 2026 में उन्होंने नई दिल्ली में एशियाई राइफल-पिस्टल चैंपियनशिप में सम्राट राणा के साथ मिश्रित टीम में रजत पदक जीता।

इसके बाद म्यूनिख में आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में ईशा सिंह के साथ ऐतिहासिक स्वर्ण-रजत परिणाम हासिल किया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने रोम में होने वाले इस साल के विश्व कप फाइनल के लिए सीधे क्वालीफाई किया। एशियाई खेलों को लेकर सुचि परिणाम के दबाव से दूर रहना चाहती हैं। उन्होंने कहा, एशियाई खेलों में मैं यह नहीं सोचना चाहती कि परिणाम क्या होगा। मैं हर शॉट के लिए लड़ना चाहती हूं, अपना 100 प्रतिशत देना चाहती हूं और रेंज से यह महसूस करते हुए निकलना चाहती हूं कि मैंने पदक के लिए अपना सबकुछ दे दिया।

एंथनी एंड्रयूज बने भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के सहायक कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को एंथनी एंड्रयूज को भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। जोआकिम अलेक्जेंडरसन टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे।

ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच एंड्रयूज क्लब और भारतीय टीम की जिम्मेदारी दोहरी भूमिका में संभालेंगे। वह ईस्ट बंगाल को लगातार दो बार भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) का खिताब दिला चुके हैं। उनके नाम आईडब्ल्यूएल के इतिहास में सर्वाधिक चार खिताब हैं। उन्होंने 2021-22 और 2022-23 में गोकुलम केरल एफसी तथा 2024-25 और 2025-26 में ईस्ट बंगाल के साथ खिताब जीते।

एंड्रयूज के मार्गदर्शन में ईस्ट बंगाल ने हाल में एएफसी महिला चैंपियंस लीग 2026-27 के प्रारंभिक चरण में भी जीत दर्ज की। इसके साथ ही ईस्ट बंगाल लगातार दो सत्र एएफसी महिला चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण में पहुंचने वाला पहला भारतीय महिला क्लब बना।

एंड्रयूज अब ताशकंद में भारतीय अंडर-17 महिला टीम से जुड़ गए हैं। टीम 27 और 30 अगस्त को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। ये मुकाबले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2027 क्वालीफायर की तैयारियों का हिस्सा हैं। क्वालीफायर मुकाबले पांच से 11 अक्टूबर तक मलेशिया में होंगे। भारत को ग्रुप ई में मलेशिया, सीरिया और इराक के साथ रखा गया है।

एंड्रयूज ने कहा कि भारतीय अंडर-17 महिला टीम का हिस्सा बनना उनके लिए बड़े सम्मान की बात है। उन्होंने एआईएफएफ के भरोसे के लिए आभार जताते हुए कहा कि वह युवा भारतीय फुटबॉलरों के विकास में योगदान देने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने महिला फुटबॉल में अपने अनुभव, प्रतिभा पहचान और खिलाड़ियों के विकास से जुड़ी सीख को भारतीय टीम के साथ साझा करने की उम्मीद जताई।

दलीप ट्रॉफी: आबिद मुश्ताक के नौ विकेट की बदौलत नॉर्थ जोन सेमीफाइनल में

एजेंसी

बेंगलुरु। जम्मू-कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर आबिद मुश्ताक के शानदार नौ विकेट की बदौलत नॉर्थ जोन ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाले वेस्ट जोन को 52 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। लाल मिट्टी की पिच पर स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और पूरे मुकाबले में 25 विकेट स्पिनरों ने हासिल किए। आबिद मुश्ताक ने दोनों पारियों में कुल 9 विकेट लेकर नॉर्थ जोन की जीत में अहम भूमिका निभाई।

अंतिम दिन वेस्ट जोन को जीत के लिए 67 रन और नॉर्थ जोन को तीन विकेट की जरूरत थी। मुश्ताक और निशांत सिंधु ने महज 6.3 ओवर में वेस्ट जोन की पारी समेट दी।

चौथे दिन मुश्ताक ने मुशीर खान और रुतुराज गायकवाड़ की शतकीय साझेदारी के बाद वेस्ट जोन को झटका दिया था। अंतिम दिन उन्होंने तनुश कोटियन को बोल्ड कर शुरुआत की। इसके बाद तुषार देशपांडे को स्लिप में अब्दुल समद के हाथों कैच कराया। इसके तीन गेंद बाद निशांत सिंधु ने उर्विल पटेल को 25 रन पर एलबीडब्ल्यू कर वेस्ट जोन की पारी का अंत कर दिया। नॉर्थ जोन की ओर से अर्शदीप सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए। वहीं अंशुल कंबोज ने पहली पारी में 60 रन बनाने के बाद गेंद से भी प्रभाव छोड़ा और शम्स मुलानी तथा कोटियन के विकेट हासिल किए।

एशियाई खेलों से पहले सिंड्रेला दास और पायस जैन टॉप्स विकास योजना में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय टेबल टेनिस की युवा प्रतिभा सिंड्रेला दास को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) की विकास योजना में शामिल किया गया है। कोलकाता की 17 वर्षीय सिंड्रेला ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। सिंड्रेला के अलावा पुरुष युगल खिलाड़ी पायस जैन और अंकुर भट्टाचार्य भी टॉप्स विकास योजना का हिस्सा हैं।

सिंड्रेला ने इस साल थाईलैंड में आयोजित एशियाई युवा चैंपियनशिप में लड़कियों के युगल में रजत और एकल में कांस्य पदक जीता था। उनके इस प्रदर्शन के बाद उन्हें टॉप्स की विकास श्रेणी में शामिल किया गया। इससे पहले 2023 में उन्होंने अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 एकल में राष्ट्रीय रैंकिंग के खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था।

टॉप्स ने इस साल टेबल टेनिस में 14 से 17 वर्ष की उम्र के युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष समूह तैयार किया था। सिंड्रेला भी इस समूह का हिस्सा थीं। इस पहल का उद्देश्य 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक के लिए भारत की युवा प्रतिभाओं को तैयार करना है।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारत की 10 सदस्यीय टेबल टेनिस टीम में सिंड्रेला दास, श्रीजा अकुला, दिया चिताले, यशस्विनी घोरपड़े, सुतीर्था मुखर्जी, साथियान, मनुश शाह, मानव ठक्कर, हरमीत देसाई और पायस जैन शामिल हैं।

इस बीच, भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को सितंबर में बुल्गारिया और कजाखस्तान में होने वाले डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए मिशन ओलंपिक सेल ने वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है।

अमेरिकी ओपन: अल्कराज-विलियम्स बाहर, मोनफिस-स्वितोलिना सेमीफाइनल में

एजेंसी

न्यूयॉर्क। सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्कराज ने जोड़ी के रूप में अमेरिकी ओपन 2026 मिश्रित युगल में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की, लेकिन मंगलवार को अगले मुकाबले में बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

विलियम्स और अल्कराज ने अपने पहले मुकाबले में एरिन राउटलिफ और लॉयड ग्लासपूल को 5-3, 4-1 से हराया। यह 2022 के बाद अमेरिकी ओपन में सेरेना का पहला मुकाबला था। जीत के बाद सेरेना ने कहा कि कोर्ट पर लौटना उनके लिए बेहद खास पल था।

हालांकि, इसके बाद बेनसिच और कोबोली के खिलाफ मुकाबले में उन्हें 5-4 (4), 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट का टाइब्रेक गंवाने के बाद अल्कराज और विलियम्स की जोड़ी अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी।

बेनसिच और कोबोली अब सेमीफाइनल में पति-पत्नी की जोड़ी एलीना स्वितोलिना और गेल मोनफिस से भिड़ेंगे। स्वितोलिना और मोनफिस ने कतेरीना सिनियाकोवा और हेनरी पैटन को 5-4 (6), 4-5 (3), 10-8 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। सिनियाकोवा और पैटन ने इससे पहले शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका और नोवाक जोकोविच की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

दूसरे सेमीफाइनल में मिर्रा आंद्रेयेवा और आंद्रे रुबलेव का सामना कैरोलिना मुचोवा और याकुब मेनसिक से होगा। आंद्रेयेवा और रुबलेव ने गत चैंपियन सारा इरानी और आंद्रेआ वावासोरी के अलावा डायना श्नाइडर और कैस्पर रूड को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई है।

व्यापार

आईसीएटी ने 15 मीटर मल्टी-एक्सल स्लीपर बस के लिए पहला अनुपालन प्रमाणपत्र जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। यात्री परिवहन के क्षेत्र में देश ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी केंद्र (आईसीएटी) ने 15 मीटर लंबी मल्टी-एक्सल स्लीपर बस के लिए अपना पहला अनुपालन प्रमाणपत्र जारी किया है। यह प्रमाणपत्र केंद्रीय मोटर वाहन नियमों और एआईएस-119 व एआईएस-153 के तहत जारी किया गया है।

यह प्रमाणपत्र सिनाटी ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड को उसकी 15 मीटर लंबी स्लीपर बस के लिए दिया गया। यह यात्री परिवहन के लिए बनाई गई सबसे लंबी बस संरचनाओं में से एक के परीक्षण और प्रमाणन की दिशा में अहम कदम है।

आईसीएटी के निदेशक सौरभ दलेला ने वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में कंपनी के प्रबंध निदेशक नरेश कुमार यादव को प्रमाणपत्र सौंपा।

बस को खासतौर पर लंबी दूरी की यात्रा के लिए बनाया गया है। इसमें मजबूत ढांचा, आपात स्थिति में सुरक्षा और आग से बचाव जैसी सुविधाएं हैं। बस में यात्रियों की आवाजाही और आराम का भी ध्यान रखा गया है। बस के फुल स्लीपर मॉडल में 42 बर्थ हैं। वहीं, हाइब्रिड स्लीपर मॉडल में 21 बर्थ और 42 सीटें हैं। इससे लंबी दूरी की यात्रा के लिए यात्रियों को एक ही वाहन में बैठने और सोने दोनों की सुविधा मिलती है।

बस का परीक्षण सुरक्षा, ढांचे की मजबूती, यात्रियों की सुविधा और आराम से जुड़ी तय जरूरतों के आधार पर किया गया है। यह परीक्षण संबंधित ऑटोमोटिव मानकों और केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के तहत हुआ।

एआईएस-119 और एआईएस-153 के तहत मिला यह प्रमाणपत्र दिखाता है कि आईसीएटी आधुनिक यात्री वाहनों का परीक्षण और प्रमाणन करने में सक्षम है। इससे वाहन कंपनियों को सुरक्षा और दूसरी जरूरी तकनीकी शर्तें पूरी करने में भी मदद मिलेगी।

मॉपशॉप डिस्ट्रिब्यूशन ने निवेशकों को किया निराश, डिस्काउंट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। फैसिलिटी मैनेजमेंट सप्लाई (एफएमएस) सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मॉपशॉप डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोरी के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 138 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 0.72 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 137 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद दोपहर 1:30 बजे तक इस शेयर में कोई हलचल नहीं हुई। मतलब न तो इस शेयर की लिवाली हुई और न ही इसकी बिकवाली हुई, लेकिन इसके बाद अचानक इसके शेयरों की बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से थोड़ी देर में ही ये शेयर 130.15 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर लोअर सर्किट यानी 130.15 रुपये के स्तर पर ही बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 7.85 रुपये यानी 5.69 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

कंपनी का 27.26 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 21 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.59 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.27 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 19.75 लाख शेयर जारी हुए हैं। इनमें लगभग पांच करोड़ रुपये के 3.75 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं, जबकि लगभग 22 करोड़ रुपये के 16 लाख नए शेयर बिके हैं।

आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कमर्शियल गाड़ियों की खरीदारी करने, रूफ टॉप ग्रिड सोलर पावर प्लांट का सेटअप करने, पुराने कर्ज को कम करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

धनवेल हाइब्रिड सीड्स ने निवेशकों को दिया झटका, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

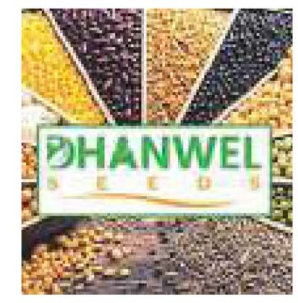

नई दिल्ली। एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए उन्नत गुणवत्ता वाले बीज तैयार करने वाली कंपनी धनवेल हाइब्रिड सीड्स लिमिटेड के शेयरों ने आज अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दिया। कंपनी के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट लेवल पर एंट्री हुई। निवेशकों को तब और झटका लगा, जब बिकवाली के दबाव में ये शेयर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए।

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 99 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 99 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के निवेशकों को और झटका तब लगा, जब ये शेयर बिकवाली के दबाव में लुढ़क कर 94.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 4.95 रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया।

कंपनी का 26.73 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 21 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन फुली सब्सक्राइब यानी 100 प्रतिशत हुआ था।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान 'फ्रीडम एज' संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी में

सियोल। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान इस साल होने वाले त्रिपक्षीय 'फ्रीडम एज' संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिकी पैसिफिक कमांड (पीएसीओएम) ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश के बाद अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने अपने कुछ संयुक्त सैन्य अभ्यासों का दायरा कम किया है। को पीएसीओएम की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कमांडर क्लो मॉर्गन ने बताया कि अमेरिकी पैसिफिक कमांड जापान सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज और दक्षिण कोरियाई सशस्त्र बलों के साथ मिलकर 'फ्रीडम एज 2026' की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक प्रमुख मल्टी-डोमेन अभ्यास होगा, जिसका उद्देश्य तीनों देशों के बीच साझा मूल्यों को मजबूत करना, सैन्य तालमेल बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

चीन ने एआई के लिए लगभग 200 मानक तैयार किए : उप-मंत्री

बीजिंग। चीन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उद्योग के टिकाऊ और व्यवस्थित विकास को बढ़ावा देने के लिए करीब 200 अहम मानक तैयार किए हैं। चीन के उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी उप-मंत्री शिन गुओबिन ने बुधवार को यह जानकारी दी। शिन गुओबिन ने एक प्रेसवार्ता में कहा कि एआई के क्षेत्र में शासन और मानकीकरण के लिहाज से करीब 200 महत्वपूर्ण मानक सफलतापूर्वक विकसित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि देश के कई शहरों में एआई के उपयोग से जुड़े नैतिक पहलुओं की समीक्षा और मूल्यांकन की प्रक्रिया भी चल रही है। उप-मंत्री ने कहा कि चीन की कंप्यूटिंग क्षमता लगातार मजबूत हो रही है। उनके मुताबिक, जून के अंत तक देश की इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग क्षमता 2,185 एक्साफ्लॉप्स तक पहुंच गई थी। शिन गुओबिन के अनुसार, एआई का इस्तेमाल अब उद्योग की लगभग पूरी वैल्यू चेन में हो रहा है। इसमें अनुसंधान एवं विकास, डिजाइन, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और रखरखाव जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

नेपाल में भारी बारिश से बिहार में बाढ़ का खतरा, अमित शाह ने मुख्यमंत्री से की बात

नई दिल्ली। नेपाल में मूसलाधार बारिश और ग्लेशियर फटने की घटनाओं के कारण बिहार में बाढ़ के खतरे को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से फोन पर बातचीत की। उन्होंने राज्य में संभावित संकट से निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। गृह मंत्री ने स्थिति से निपटने और किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू करने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को भी सक्रिय किया है। केंद्र सरकार बिहार की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकता के अनुसार राज्य को अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

पुणे रेलवे जंक्शन पर 3.41 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त, महिला गिरफ्तार

मुंबई। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने पुणे रेलवे जंक्शन पर करीब 3.41 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ के साथ भारतीय महिला यात्री को गिरफ्तार किया है। डीआरआई टीम मामले की गहन छानबीन कर रही है। डीआरआई अधिकारी ने बुधवार को बताया कि दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से आ रही ट्रेन में ड्रग्स की खेप के साथ महिला के आने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी के आधार पर डीआरआई टीम ने पुणे स्टेशन पर निगरानी रखी थी। मंगलवार को जैसे ही दिल्ली से आ रही ट्रेन पुणे स्टेशन पर रुकी, डीआरआई टीम ने संबंधित महिला के सामान की तलाशी ली। महिला के सामान में 2,532 ग्राम सफेद/पीले रंग का क्रिस्टलनुमा पदार्थ मिला, जिसके एम्फेटामाइन होने का संदेह है। इसके अलावा 878 ग्राम अलग-अलग रंगों की गोलियां बरामद हुईं, जिनके एमडीएमए होने का शक है। इन सभी नशीले पदार्थ को डीआरआई की टीम ने जब्त कर लिया। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत करीब 3.41 करोड़ रुपये आंकी गई है। बरामदगी के बाद महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। एजेंसी इन पदार्थों के स्रोत और गंतव्य का पता लगाने के साथ-साथ इस कथित तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्देशक कुकू कोहली को नम आंखों से अंतिम विदाई दी

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्देशक कुकू कोहली का बुधवार को मुंबई के ओशिवारा श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान उनकी पत्नी और अभिनेत्री अरुणा ईरानी समेत परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। अंतिम विदाई के दौरान अरुणा ईरानी बेहद भावुक नजर आईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में परिजन उन्हें संभालते दिखाई दे रहे हैं। फिल्म निर्देशक कुकू कोहली का 25 अगस्त को 77 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। दिल का दौरा पड़ने से हुई उनकी मौत से फिल्म जगत में शोक की लहर है। कुकू कोहली की अंतिम यात्रा अंधेरी पश्चिम स्थित उनके ग्रीन एकर्स आवास से शुरू हुई। ओशिवारा श्मशान घाट पर परिवार और करीबी लोगों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। सामने आए एक वीडियो में अरुणा ईरानी सफेद कपड़ों में नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर पति को खोने का गहरा दर्द साफ दिखाई दे रहा है। एक अन्य वीडियो में वह फूट-फूटकर रोती नजर आईं। इन भावुक दृश्यों ने उनके प्रशंसकों और फिल्म जगत से जुड़े लोगों को भी भावुक कर दिया।

देश में सबसे पहली राखी बाबा महाकाल को बंधेगी

उज्जैन। देशभर में रक्षाबंधन का पर्व आगामी 28 अगस्त को मनाया जाएगा। इस अवसर पर परम्परा के अनुसार देश में सबसे पहले मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल को राखी अर्पित की जाएगी। इस अवसर पर बाबा महाकाल को सवा लाख लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। रक्षाबंधन के लिए महाकालेश्वर मंदिर में खास तैयारियां की गई हैं। मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बुधवार को बताया कि श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाएगा। देश में हिन्दू धर्म से जुड़े सभी त्योहार सबसे पहले महाकाल मंदिर में मनाए जाते हैं। श्रावण पूर्णिमा पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में पुजारी परिवार की ओर से भगवान महाकाल को राखी बांधने की परंपरा है। इसके साथ ही रक्षाबंधन के दिन भस्म आरती में बाबा महाकाल को बाबा को बेसन और शुद्ध घी से तैयार सवा लाख लड्डुओं का महाभोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को लड्डू प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रावण मास के अंतिम दिन रक्षाबंधन पर तड़के 3 बजे भस्म आरती में भगवान महाकाल का जल, दूध, दही, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा।

देश को बांटने वाले बयान दे रहे राहुल गांधी : शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार देश को बांटने वाले बयान दे रहे हैं। उन्हें भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति, सभ्यतागत चेतना, वेदों, पुराणों और उपनिषदों की कितनी जानकारी है, यह उनके मनुस्मृति पर दिए गए बयान से स्वयं स्पष्ट हो गया है।

बुधवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक या सांस्कृतिक विषय पर उसके मूल संदर्भ और तत्कालीन परिस्थितियों को समझे बिना टिप्पणी करना या अपने राजनीतिक लाभ के लिए उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना सर्वथा अनुचित और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यतागत चेतना और सांस्कृतिक मान-बिंदुओं के प्रति जन-आस्था को प्रदूषित करने तथा हमारे गौरवशाली इतिहास को नीचा दिखाने के लिए पिछले लगभग 200 वर्षों में कई सुनियोजित प्रयास हुए। अंग्रेजों ने जानबूझकर यह काम किया। स्वतंत्रता के बाद जब हमारे पास अवसर था कि हम अपने इतिहास और सांस्कृतिक मान-बिंदुओं को सही करते, तब राहुल गांधी के पूर्वजों के शासनकाल में इसे सुधारने के बजाय और अधिक गति से हमारी सभ्यतागत चेतना को दूषित करने का कार्य किया गया। आज भी उसी मानसिकता के साथ देश को बांटने वाले बयान दिए जा रहे हैं।

शेखावत ने कहा कि भारत वह समाज और सभ्यता है, जिसने मातृशक्ति को इंस्टीट्यूशनलाइज्ड रिस्पेक्ट दिया है। जहां ज्ञान के लिए मां सरस्वती, शक्ति के लिए मां दुर्गा और धन-समृद्धि के लिए मां महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। जहां गार्गी, मैत्रेयी और कात्यायनी जैसी महान विदुषी स्त्रियां हुई हों, उस महान समाज और व्यवस्था के विषय. में इस प्रकार की अनर्गल टिप्पणी करना न केवल अशोभनीय व निंदनीय है, बल्कि यह उनके ज्ञान के उथलेपन को भी उजागर करता है।

जयपुर में नकली नोटों की बरामदगी और कांग्रेस नेता के पुत्र का नाम आने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि देश में और देश के बाहर बैठी भारतविरोधी ताकतें, जिन्हें भारत की अर्थव्यवस्था की प्रगति और इसकी तेज गति पच नहीं रही है, वे इस तरह के षड्यंत्र और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। हमारी सरकार पूर्ण सजगता के साथ ऐसी हर गतिविधि, अपराध और प्रयास को रोकने के लिए तत्परता से काम कर रही है। शेखावत ने कहा कि जयपुर में जो नकली नोटों की खेप पकड़ी गई है, उसकी पुलिस द्वारा शुरूआत से अंत तक गहन जांच होनी चाहिए। इसका मुख्य स्रोत क्या है? ये नोट कहां प्रिंट हुए और इनका सप्लायर कौन है? ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को पूरी तरह रोका जा सके। शेखावत ने कहा कि चुनाव के इस संवेदनशील माहौल में यदि कांग्रेस पार्टी के किसी जिम्मेदार कार्यकर्ता या राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े परिवार के बच्चों के पास से इतनी बड़ी खेप बरामद होती है तो यह और भी अधिक चिंताजनक विषय है।

शेखावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से जोधपुर और राजस्थान के लगभग सभी निकायों में विजय हासिल करने वाली है। डबल इंजन सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जिस तरह से काम किया है, उसे देखते हुए मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि पार्टी निकाय चुनाव में एक बार फिर नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपना परचम फहराएगी।

दिल्ली लक्ष्मी योजना की पहली 2500 महिलाओं को स्वीकृति पत्र दिए गए

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली लक्ष्मी योजना की पहली 2,500 लाभार्थी महिलाओं स्वीकृति पत्र प्रदान दिए।

इसके बैंक खातों में एक सितंबर को दिल्ली लक्ष्मी योजना पैसा आएंगा। लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 9,20,590 रजिस्ट्रेशन और 6,63,215 आवेदन फाइनल रूप से जमा किए गए। तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, कपिल मिश्रा, सांसद और विधायक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दिल्ली लक्ष्मी योजना की ऐतिहासिक शुरूआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने नारी सशक्तिकरण का जो संकल्प लिया था, आज वह संकल्प दिल्ली की बहनों के जीवन में नई शक्ति बनकर उतरा है। योजना की पहली 2,500 लाभार्थी बहनों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।

उन्होंने कहा कि मेरी बहनों, आपकी खुशी ही हमारी खुशी है, आपका विश्वास ही हमारी ताकत है और आपका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार आपके सम्मान, स्वावलंबन और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा से काम करती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी योजनाओं का केंद्र महिलाएं है। महिलाओं के कल्याण के लिए लखपति, फ्री साइकिल और पिंक कार्ड जैसे योजनाएं दिल्ली में चल रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कर्ज को चुकाने में ही हमें एक साल लग गए। इसके बाद भी राजधानी के विकास के लिए अन्य योजनाओं का शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने वादे को पुरा करते हुए दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए बजट में 5100 करोड़ रुपये करोड़ रुपये रखे हैं।

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि तालकटोरा स्टेडियम में 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने से देश मजबूत होता है।

भारत–सेशेल्स उच्चस्तरीय की बैठक

मत्स्य, जलीय कृषि और ब्लू इकोनॉमी में सहयोग पर सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और सेशेल्स ने मत्स्य, जलीय कृषि और ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने किया, जबकि सेशेल्स की ओर से मत्स्य, कृषि और ब्लू इकोनॉमी मंत्री वॉलेस कॉसग्रो ने प्रतिनिधित्व किया।

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अनुसार मंगलवार को हुई बैठक में दोनों पक्षों ने मौजूदा ढांचे की समीक्षा की, नए सहयोगी अवसरों पर चर्चा की और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार करने पर सहमति जताई। भारतीय नेतृत्व ने सेशेल्स प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच गहरी समुद्री साझेदारी है और भारत मत्स्य, जलीय कृषि, वैज्ञानिक अनुसंधान और क्षमता निर्माण में तकनीकी सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने मत्स्य क्षेत्र और ब्लू इकोनॉमी को आर्थिक विकास, ग्रामीण रोजगार और सतत विकास के अहम स्तंभ बताया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि देश का वार्षिक मत्स्य उत्पादन 1.97 करोड़ टन तक पहुंच गया है और समुद्री उत्पादों का निर्यात 8.46 अरब अमेरिकी डॉलर का है। भारत ने सतत मत्स्य प्रबंधन, जिम्मेदार दोहन और तकनीक आधारित ढांचे के विकास की अपनी पहल साझा की।

बैठक में समुद्री जलीय कृषि, आधुनिक हैचरी, टूना मत्स्य अनुकूलन, स्टॉक आकलन, उन्नत पोस्ट-हार्वेस्ट इंजीनियरिंग और समुद्री संरक्षण जैसे क्षेत्रों में संयुक्त विकास की संभावनाओं पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने मत्स्य डेटा प्रणाली, निगरानी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रबंधन में साझेदारी की संभावनाएं तलाशीं। टूना प्रसंस्करण, उत्पाद विविधीकरण और सतत अपशिष्ट प्रबंधन पर भी जोर दिया गया।

सेशेल्स ने मत्स्य और जलीय कृषि क्षेत्र में विशेष द्विपक्षीय समझौता (एमओयू) करने की इच्छा जताई और संस्थागत ढांचे के जरिए निरंतर संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में आपसी महत्व, तकनीकी आदान-प्रदान और उत्कृष्टता केंद्रों के सहयोग से क्षमता निर्माण पर भी सहमति बनी।

खेड़ा को झूठ के लिए मिली राज्यसभा सीट जिसके वो हकदार नहीं थे : किरेन रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर झूठे आरोप लगाने के चलते कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को राज्यसभा सीट दी गई। उन्होंने कहा कि आरोप का तो असर उल्टा हुआ लेकिन खेड़ा राज्यसभा पहुंच गए जबकि वे इसके हकदार नहीं थे।

सोशल मीडिया पर वाद-विवाद के बीच केन्द्रीय मंत्री रिजिजू ने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा, दो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने मुझे बताया कि राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को असम चुनाव के अंतिम समय में हिमंत बिस्वा और रिनिकी जी (हेमंत की पत्नी) के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए कहा था। जब ये झूठ उल्टा पड़ गया तो खेड़ा को राज्यसभा की सीट इनाम के तौर पर दे दी गई, जिसके वो हकदार नहीं थे! कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर वाद-विवाद रविवार से चल रहा है। रिजिजू ने अरुणाचल में नदी में तैरने का एक वीडियो डाला जिसके बाद पवन खेड़ा ने उनपर टिप्पणी की और फिर विवाद बढ़ गया। कल रिजिजू ने कहा था कि पवन खेड़ा राज्यसभा में अपनी पार्टी की ओर से मनोनीत पहले कार्यकाल के सांसद हैं और वे 8 बार चुनाव लड़ चुके हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि खेड़ा को अभद्र टिप्पणी करने का अधिकार मिल जाता है।

चरवाहों को लाभार्थी नहीं, संरक्षणकर्ता मानकर हो चरागाह क्षेत्रों की पुनर्स्थापना : भूपेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगोलिया के उलानबतार में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम कनवेंशन (यूएनसीसीडी) के 17वें सम्मेलन (सीओपी-17) में चरागाह क्षेत्रों की पुनर्स्थापना में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को केंद्रीय भूमिका देने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सफल पुनर्स्थापना की शुरुआत चरवाहों को केवल लाभार्थी मानने के बजाय उन्हें प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षणकर्ता मानने से होती है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, यूएनसीसीडी सीओपी-17 के दौरान चरागाह क्षेत्रों की पुनर्स्थापना और चरवाहा समुदायों का कल्याण विषय पर आयोजित मंत्रीस्तरीय संवाद को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि भारत ने वैज्ञानिक योजना और सामुदायिक भागीदारी के जरिए घासभूमियों और चरागाहों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापना का अनुभव विकसित किया है। उन्होंने कहा कि भारत में चरागाह क्षेत्र हिमालयी चरागाहों, मध्य भारत के सवाना क्षेत्रों, राजस्थान के शुष्क थार और कच्छ से लेकर दक्षिण भारत के शोला क्षेत्रों तक फैले हैं। ये क्षेत्र देश की बड़ी पशुधन आबादी के साथ लाखों लोगों की आजीविका का आधार हैं। यादव ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर ऐसी पुनर्स्थापना सुनिश्चित की जा सकती है जो पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और सामाजिक रूप से समावेशी हो। उन्होंने बताया कि उपग्रह आधारित मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण एटलस घासभूमियों की पहचान और पुनर्स्थापना की वैज्ञानिक योजना बनाने में मदद कर रहे हैं। वहीं, चराई अधिकार और सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों की मान्यता स्थानीय समुदायों की भूमिका को मजबूत करती है।

केंद्रीय मंत्री ने राजस्थान के ओरण का उदाहरण देते हुए कहा कि ये पवित्र उपवन स्थानीय समुदायों की पारंपरिक संरक्षण व्यवस्था का महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। देशभर में करीब 25 हजार ऐसे सामुदायिक रूप से संरक्षित पवित्र उपवन हैं, जो लगभग छह लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हैं। ये क्षेत्र स्थानीय समुदायों की भागीदारी से संरक्षित होने के साथ चरागाहों और महत्वपूर्ण वन्यजीव आवासों के संरक्षण में भी योगदान देते हैं। इनमें ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसे संकटग्रस्त पक्षियों के महत्वपूर्ण आवास भी शामिल हैं।

राहुल गांधी के 'पितृसत्ता को तोड़ो' बयान पर भाजपा का कांग्रेस पर वार, कहा -बयान केवल राजनीतिक दिखावा

कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को प्राथमिकता दी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बांसुरी स्वराज ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पितृसत्ता को तोड़ो बयान को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी महिलाओं के सम्मान के मुद्दे पर दोहरा रवैया अपनाते हैं और उनका बयान केवल राजनीतिक दिखावा है।

भाजपा बुधवार को पत्रकार वार्ता में सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि राहुल गांधी ने 22 अगस्त को पुणे के मंच से पितृसत्ता को तोड़ो का नारा दिया, लेकिन अपनी ही पार्टी में मौजूद राजनीतिक पितृसत्ता पर कभी सवाल नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पास न कोई विजन है और न ही कोई सकारात्मक एजेंडा है, इसलिए वे केवल सोशल मीडिया पर सनसनी फैलाने वाले बयान देते हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर महिला विरोधी मानसिकता का आरोप लगाते हुए कहा कि जब भाजपा सांसद कंगना रनौत को मंडी से टिकट मिला था, तब कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया अकाउंट से उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गई, लेकिन राहुल गांधी ने कोई आपत्ति नहीं जताई। इसी तरह रणदीप सुरजेवाला द्वारा हेमा मालिनी पर की गई टिप्पणी और अधीर रंजन चौधरी द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'राष्ट्रपत्नी' कहे जाने पर भी कांग्रेस नेतृत्व मौन रहा।

भाजपा सांसद ने सवाल किया कि यदि राहुल गांधी वास्तव में पितृसत्ता खत्म करना चाहते हैं, तो कांग्रेस शासित कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश की कैबिनेट में एक भी महिला मंत्री क्यों नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं का सशक्तिकरण कांग्रेस के लिए केवल राजनीतिक नारा है और इसी सोच के कारण पार्टी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध किया।

बांसुरी स्वराज ने शाहबानो मामले और तीन तलाक कानून का भी उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को प्राथमिकता दी। उन्होंने राहुल गांधी से पूछा कि यदि वे वास्तव में महिलाओं के अधिकारों के पक्षधर हैं, तो इन मुद्दों पर कांग्रेस का रुख क्या था।

हिजाब की आड़ में संकीर्ण राजनीति नहीं होनी चाहिए : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। हिजाब विवाद पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि ऐसे मामलों को ज्यादा बड़ा कर कानूनी विवाद बनाने के बजाय स्कूल प्रबंधन और शासन-प्रशासन की मदद से आपस में सुलझा लेना चाहिए। इसकी आड़ में संकीर्ण राजनीति नहीं होनी चाहिए।

मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सभी जाति और धर्मों के लोगों को समान अधिकार देने वाला संविधान देकर देश को एकता के सूत्र में बांधने और सशक्त भारत के निर्माण की गारंटी सुनिश्चित की है। इसके तहत सभी धर्म के ग्रंथों व उनके धार्मिक रीति-रिवाज व मान्यताओं के आधार पर शांत एवं सुखी जीवन जीने का अधिकार है। इसकी अनदेखी करने व दखल देने के बजाय सभी को उसकी पवित्रता का सम्मान करना चाहिये।

भाजपा की टिकट वितरण को लेकर मंथन बैठक सम्पन्न

डग में खिलेगा कमल - पर्यवेक्षक सोनी

चमकता राजस्थान

डग 26अगस्त(कुन्दन व्यास)। निकाय चुनाव 2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को श्री भेरू महाराज मंदिर परिसर में संपन्न हुई। बैठक गंगानगर से आए पर्यवेक्षक राजकुमार सोनी एवं क्षेत्रीय विधायक कालूराम मेघवाल के आतिथ्य में हुई।बैठक में आगामी नगरपालिका चुनाव में टिकट वितरण और चुनावी रणनीति पर मंथन किया गया।पर्यवेक्षक राजकुमार सोनी ने कहा कि ₹पाकिस्तान बॉर्डर से पार्टी ने और वसुंधरा राजे सिंधिया ने मुझे आपके बीच भेजा है। आप सब से मिलकर लगता है कि डग में पार्टी का बोर्ड बैठेगा। आपके पास वरिष्ठ पदाधिकारियों और युवा साथियों का साथ और जोश देखकर लग रहा है कि डग में विकास का एक और इंजन जुड़ने वाला है।

प्रेम प्रेमी ने कहा कि हमें पूरी एकजुटता से कमल के फूल को ही प्रत्याशी समझकर मतदान करवाना है।सौदान सिंह ने कहा कि संगठित होकर हम हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

विधायक कालूराम मेघवाल ने अपने कार्यकाल के विकास कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि आप डग में भाजपा की सरकार बनाकर देंगे तो विकास को और रफ्तार मिलेगी। डग को साफ-सुथरा और सुंदर शहर बनाएंगे।₹

रतन लाल राठौर ने कहा कि हम अपना अनुभव युवा साथियों के साथ साझा कर पार्टी को हर वार्ड से जितवाकर भेजेंगे।कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री सुनील व्यास ने किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रलोभन और अफवाह में नहीं आना है। विकास में अभी तक कोई कमी नहीं रही है और आगे भी कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने युवा साथियों से हर वार्ड में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करने पर जोर देने को कहा।इस अवसर पर पर्यवेक्षक राजकुमार सोनी,विधायक कालूराम मेघवाल,जिला महामंत्री दिनेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह प्रतिहार,तूफान सिंह,रतन लाल राठौर,पंचायत समिति प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह परिहार,जिला उपाध्यक्ष नारायण सिंह सोलंकी,मिश्रोली मण्डल अध्यक्ष मांगू सिंह चौहान, लालचंद भावसार, मोहन लाल भावसार, प्रेम प्रेमी, सुरेश टेलर, सुरेश जैन, लक्ष्मण सिंह परिहार, शिखर धारीवाल, बद्रीलाल सोनी, कालूराम लोधा, नवीन जाजू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के कार्यक्रम में शामिल हुए नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल, अमन-भाईचारे एवं खुशहाली की दुआ की

चमकता राजस्थान रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर सांसद एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने बुधवार सुबह नागौर संसदीय क्षेत्र की मुंडवा नगरपालिका क्षेत्र स्थित जाना शहीद दरगाह में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के पवित्र अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर प्रदेश में अमन, भाईचारे, आपसी सौहार्द एवं खुशहाली की दुआ की।

इस अवसर पर सांसद बेनीवाल ने उपस्थित लोगों को ईद-ए-मिलाद-उन-नबी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान की मजबूत पहचान आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव से है तथा हमें मिल-जुलकर प्रदेश की तरक्की और खुशहाली के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में आरएलपी नेता श्री सुभाष कंदोई सहित पार्टी परिवार के अनेक सदस्य एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। इसके पश्चात सांसद बेनीवाल घुमटेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन महादेव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

इस दौरान सांसद बेनीवाल ने स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों से आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि निकाय चुनावों में पार्टी संगठन को मजबूत करते हुए आमजन से निरंतर संवाद किया जाए तथा स्थानीय समस्याओं और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी जनहित की राजनीति और आमजन के अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाएगी। निकाय चुनावों को लेकर पार्टी कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ जनता के बीच जाएं और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का काम करें।

ब्यावर जिला कांग्रेस सेवादल ने मनाई सेवादल संस्थापक हार्डिकर जी की 51 वी पुण्यतिथि

चमकता राजस्थान ब्यावर। स्वतंत्रता संग्राम के अग्रहिणी, कांग्रेस के प्रसिद्ध राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी, 'हिन्दुस्तान सेवादल' के संस्थापक स्व. श्री नारायण राव सुब्बाराव हार्डिकर की 51 वी पुण्यतिथि* पुराना जोधपुर बाईपास स्थित बालाजी एकेडमी में बड़ी सादगी के साथ मनाई गई।

राष्ट्रीय कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष वीवी श्रीनिवास जी के निर्देशानुसार सभी जिला मुख्यालय पर विभिन्न विद्यालयों में जाकर बच्चों को हिन्दुस्तानी सेवादल के विशेष में विस्तृत जानकारी साझा करे एवं वक्षारोपण कर पर्यावरण बचाएं।

ब्यावर जिला कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष एडवोकेट विक्रम सोनी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सेवादल प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत ने नन्ने बच्चो के साथ हार्डिकर के विचारों को साझा कर बड़ी सादगी के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम सेवादल संस्थापक स्व. एन एस हार्डिकर जी की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि हेमसिंह सिंह शेखावत, प्रदेश महिला सेवादल प्रभारी गंगा रावत, प्रदेश सचिव सोहन मेवाड़ा, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भारत बाघमार, पूर्व पार्षद श्यामसुंदर शर्मा का गांधी टोपी वह सूत की माला पहनाकर जिला अध्यक्ष विक्रम सोनी द्वारा स्वागत किया गया।

नाडोल में ईद-मिलादुन्नबी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया

मस्जिद व दरगाह रंग-बिरंगी रोशनी से सजी, निकला भव्य जुलूस

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ जेके बावल/नाडोल। इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौमे पैदाइश (जन्मदिवस) के उपलक्ष्य में बुधवार को जश्ने ईद-मिलादुन्नबी का पर्व श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम मोहल्लों में घरों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया। मस्जिद एवं हजरत अशरफ अली बाबा साहब की दरगाह को भी रंग-बिरंगी रोशनी, इस्लामिक झंडों व फरियों से सजाया गया।

पर्व के अवसर पर मौलाना ईसा अशरफी एवं मौलाना नफीस अहमद हैदरी ने तकरीर पेश कर पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं एवं उनके जीवन पर प्रकाश डाला। इसके बाद मस्जिद से चादर के साथ विशाल जुलूस रवाना हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं जायरीन शामिल हुए। श्रद्धालु हाथों में झंडे व फरियां लेकर धार्मिक नारों के साथ चल रहे थे। जुलूस में धार्मिक गीतों एवं नारों से माहौल भक्तिमय बना रहा।

जुलूस पुलिस चौकी से होते हुए मुख्य चौराहा, बस स्टैंड, ग्राम पंचायत, रतन चौराहा एवं पातालेश्वर मार्ग से होकर हजरत दादापीर अशरफ अली बाबा साहब की दरगाह पहुंचा, जहां समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन फैजाने मिल्लत कमेटी की ओर से किया गया।

इस अवसर पर बाहर से आए जायरीनों के लिए फरीद खान पठान वल्द चांद खान की ओर से भोजन की व्यवस्था की गई। कमेटी की ओर से बाहर से आए जायरीनों एवं उनके परिवारों का स्वागत भी किया गया।

विशाल जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए एएसआई परविंद्र सिंह एवं कांस्टेबल गणेशराम ने सराहनीय भूमिका निभाई। पुलिस जवानों ने पूरे मार्ग में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखते हुए जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाया।

सखी ग्रुप भीलवाड़ा ने किया लहरिया काआयोजन

चमकता राजस्थान

महेश कुमार बिड़ला /मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। आज हमारे सखी ग्रुप आजाद नगर भीलवाड़ा भीलवाड़ा के सभी सदस्यों ने मिलकर तीज महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया।

इस अवसर पर सभी सदस्य पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। कार्यक्रम में सुनीता ईनाणी, नीलम सोमाणी, उषा तोतला, राजेश्वरी बिरला, लीला काबरा, मीनाक्षी मूंदड़ा, मधु सोडानी, टीनू लड्ढा, किरण आगाल, सुनीता चेचाणी, आशा जागेटिया एवं सुमन चौधरी सहित सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान तीज के पारंपरिक गीत गाए गए, सभी ने मिलकर नृत्य किया तथा तीज पर्व से जुड़े विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया।

हंसी-खुशी और आपसी प्रेम-स्नेह से भरा यह तीज महोत्सव सभी के लिए यादगार बन गया।

धर्मवीर आनंद दिघे के जीवनकार्य पर आधारित चित्र प्रदर्शनी को उत्स्फूर्त प्रतिक्रिया

- **12 से 15 हजार विद्यार्थियों ने चित्रकला प्रतियोगिता में लिया हिस्सा; सांसद नरेश म्हस्के के हाथों विजेताओं का सम्मान**

चमकता राजस्थान अरविंद कोठारी/ठाणे। धर्मवीर आनंद दिघे साहेब की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बारटक्के फाउंडेशन और यूनिट मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में ठाणे महानगरपालिका में धर्मवीर आनंद दिघे के जीवनकार्य पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

धर्मवीर आनंद दिघे के विचार, समाजसेवा और आम नागरिकों के लिए किए गए कार्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र की विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए उनके जीवन पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता को विद्यार्थियों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला और करीब 12 से 15 हजार विद्यार्थियों ने इसमें हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता में चयनित चित्रों की प्रदर्शनी ठाणे महानगरपालिका में आयोजित की गई। प्रदर्शनी को नागरिकों, विद्यार्थियों और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने देखा और विद्यार्थियों की कलाकृतियों की सराहना की।

धर्मवीर आनंद दिघे का जीवन सेवा भावना, संघर्ष और समाज के प्रति समर्पण का आदर्श है। नई पीढ़ी को उनके कार्यों से परिचित कराने और उनके विचारों की प्रेरणा विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस पहल की सांसद नरेश म्हस्के ने सराहना की।

पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित रहकर सांसद नरेश म्हस्के के हाथों प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। साथ ही इस पहल का आयोजन करने के लिए बारटक्के फाउंडेशन के दिलीप बारटक्के और उनकी पूरी टीम का उन्होंने दिल से अभिनंदन किया।

इस अवसर पर गुटनेता पवन कदम, ठाणे शहर दैनिक पत्रकार संघ के अध्यक्ष दिलीप शिंदे सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रक्षाबंधन पर रंग बिरंगी राखियों से सजा बाजार

- **राखियों की रंगत से बढ़ी रक्षाबंधन त्योहार की रौनक**

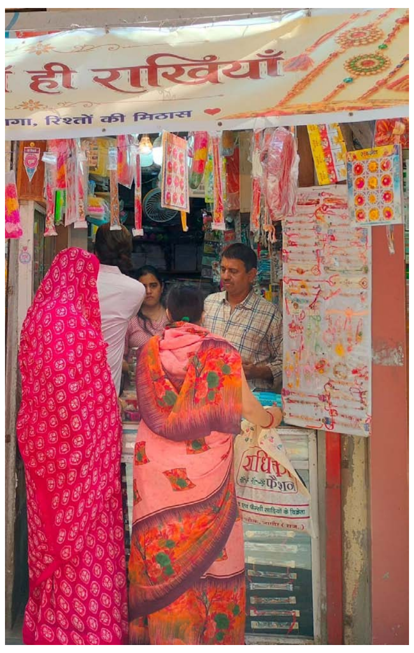

चमकता राजस्थान रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। भाई-बहन के पवित्र प्रेम के पर्व रक्षाबंधन को लेकर नागौर शहर का बाजार सजने लगा है। मुख्य बाजार में राखियों की रंग-बिरंगी दुकानें सजी हैं और दुकानों पर आकर्षक राखियों की भरमार नजर आ रही है। पर्व नजदीक आते ही राखी बाजार में ग्राहकों की आवाजाही भी बढ़ने लगी है। दुकानों पर पारंपरिक राखियों के साथ फैंसी, मोती, रुद्राक्ष,धागे वाली तथा बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर और विभिन्न डिजाइन की राखियां उपलब्ध हैं खासकर बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए आकर्षक रोशनी और म्यूजिक वाली राखियां भी दुकानदारों ने मंगवाई हैं।राखी के साथ मिठाई, गिफ्ट आइटम और पूजा सामग्री की दुकानों पर भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। बहनें भाई की पसंद के अनुसार राखी और उपहार खरीदने में जुटी हैं। दुकानदारों को रक्षाबंधन पर बाजार में अच्छी ग्राहकी की उम्मीद है।बाजार में इस बार कम कीमत से लेकर आकर्षक और महंगी फैंसी राखियों की कई रेंज उपलब्ध हैं। इससे हर वर्ग के ग्राहक अपनी सुविधा और पसंद के अनुसार राखी खरीद रहै है

बारहठ बोले - पार्टी जिसे देगी टिकट, उसके साथ पूरी ताकत से जुटेंगे कार्यकर्ता

कांग्रेस ने बंद कमरों में किया उम्मीदवारों पर मंथन, बोर्ड बनाने की रणनीति पर जोर

चमकता राजस्थान

भरत कुमार गांधी, रानी/रानी। आगामी नगरपालिका चुनाव को लेकर कांग्रेस ने चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में श्री आईजी हॉल, प्रताप बाजार में बैठक आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न वार्डों से चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदारों से ऑफलाइन आवेदन लिए गए। आवेदन प्रक्रिया के बाद अलग-अलग बंद कमरों में दावेदारों एवं वार्डवार राजनीतिक समीकरणों को लेकर गहन मंथन किया गया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी से नियुक्त ऑब्जर्वर एवं मारवाड़ विधानसभा प्रभारी संजीव सिंह बारहठ ने कहा कि नगरपालिका चुनाव में कांग्रेस का बोर्ड बनाने के लक्ष्य के साथ संगठन को मजबूत किया जा रहा है। पार्टी द्वारा अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मैदान में उतरना होगा। टिकट किसी को भी मिले, कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत मतभेद दरकिनार कर कांग्रेस की जीत को प्राथमिकता देनी चाहिए।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिशुपाल सिंह राजपुरोहित ने कहा कि संगठन की एकजुटता ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत होगी। सभी कार्यकर्ता गुटबाजी भूलकर बूथ स्तर तक सक्रिय होकर कांग्रेस की जीत के लिए प्रयास करें।

बैठक में विभिन्न वार्डों से दावेदारों ने आवेदन प्रस्तुत किए। इस दौरान उनकी संगठन में सक्रियता, जनसंपर्क, वार्ड में पकड़ एवं स्थानीय समीकरणों सहित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। बंद कमरे में हुए इस मंथन को प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया से जोड़कर देखा जा रहा है। रायशुमारी के दौरान जिला चुनाव प्रभारी जयदेव सिंह राणावत, जिला सह-सचिव श्रवण कुमार पटेल, प्रदेश महासचिव भूराराम सीरवी, खनन प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष हुकम सिंह आकड़ावास*, विधानसभा सह-प्रभारी सुरबाला काला, सह-प्रभारी भोमाराम मीणा, जिला सचिव केसाराम गरासिया मौजूद रहे। नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से अतिथियों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया। अंत में नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929